INS ACCREDITED
यूंनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-165 | सांध्य दैनिक | मथुरा, सोमवार, 10 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

अवैध कॉलोनियों पर चला एमवीडीए का बुलडोजर

नोटिस के बाद सुनवाई पूरी ध्वस्तीकरण कार्रवाई में तेजी

12—14 माह में 75 हेक्टेयर भूमि से हटाईं 63 कॉलोनियां

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा—वृंदावन विकास प्राधिकरण (एमवीडीए) ने बिना अनुमति विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। प्लॉट काटकर लोगों को जमीन बेचने वाले कॉलोनाइजरों पर अब नोटिस और कार्रवाई की प्रक्रिया को लंबा खींचने के बजाय विधिक सुनवाई पूरी कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। प्राधिकरण की सख्ती से अवैध कॉलोनाइजरों में खलबली मची हुई है।

एमवीडीए उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ चल रहे अभियान की समीक्षा की। उन्होंने अभियंताओं को निर्देश दिए कि प्राधिकरण की अनुमति के बिना विकसित हो रही कॉलोनियों और अवैध निर्माण के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में नए निर्माण पर लगातार निगरानी रखने और अनधिकृत निर्माण की जानकारी मिलते ही नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

2025 में 24, सात माह में 39 कॉलोनियां ढहीं

समीक्षा के दौरान प्राधिकरण के सचिव आशीष कुमार सिंह ने करीब 12 से 14 माह की कार्रवाई का ब्योरा प्रस्तुत किया। इसके अनुसार, अप्रैल से नवंबर 2025 के बीच 24 अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। ये कॉलोनियां करीब 33.04 हेक्टेयर भूमि पर विकसित की जा रही थीं। इन जमीनों की अनुमानित लागत करीब 164.20 करोड़ रुपये आंकी गई थी। वहीं, वर्ष 2026 में सात माह के दौरान कार्रवाई की रफ्तार और तेज हुई। इस अवधि में 39 अनाधिकृत कॉलोनियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। ये कॉलोनियां करीब 41.99 हेक्टेयर क्षेत्रफल में विकसित की जा रही थीं। इन जमीनों की अनुमानित लागत करीब 209.95 करोड़ रुपये बताई गई है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 की तुलना में 2026 में अब तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई में 62.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

373 करोड़ की जमीन पर चला बुलडोजर: एमवीडीए के अनुसार, करीब एक वर्ष की अवधि में 75 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर अवैध कॉलोनियों के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई है। इन जमीनों की अनुमानित कीमत करीब 373.15 करोड़ रुपये बताई गई है। खास बात यह है कि पिछले छह माह में कार्रवाई की गति और बढ़ी है।

अवैध कालोनियों में नहीं खरीदें जमीन

लक्ष्मी नागप्पन

विप्रा उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने लोगों से भी अपील की कि बिना प्राधिकरण से नक्शा और लेआउट स्वीकृत कराए विकसित की जा रही कॉलोनियों में जमीन खरीदने से बचें। उन्होंने अधिकारियों को जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए, ताकि लोग अवैध कॉलोनाइजरों के झांसे में आकर अपनी जमा पूंजी न गंवाएं। प्राधिकरण अब नए निर्माण और कॉलोनियों पर निगरानी बढ़ाने की तैयारी में है।

यमुना का जलस्तर बढ़ा, खतरे के निशान से अभी नीचे

जलस्तर बढ़ने के बाद भी वृंदावन स्थित यमुना में स्नान करते युवक।

बाढ़ चौकियों से निगरानी तेज, ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह

यूनिक समय, मथुरा। जिले में यमुना नदी के जलस्तर पर सिंचाई विभाग लगातार नजर रखे हुए है। सोमवार को नदी का जलस्तर डाउन स्ट्रीम में 163.00 मीटर और अप स्ट्रीम में 163.05 मीटर दर्ज किया गया। नदी में पानी का प्रवाह 42,295 क्यूसेक रहा। फिलहाल जलस्तर खतरे के निशान से नीचे होने के कारण स्थिति सामान्य बनी हुई है।

केशीघाट परिक्रमा मार्ग पर लगाई टीन चादर की बैरीकेडिग।

सिंचाई विभाग और बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार, हथिनीकुंड बैराज से 6,246 क्यूसेक और ओखला बैराज से 15,693 क्यूसेक पानी दर्ज किया गया। प्रयाग घाट पर जलस्तर 164.91 मीटर दर्ज किया गया, जबकि बैराज पर जलस्तर 163.05 मीटर रहा। अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन नदी के जलस्तर में होने वाले बदलाव पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सिंचाई विभाग की टीमें बाढ़ चौकियों के माध्यम से नदी और आसपास के क्षेत्रों की निगरानी कर रही हैं। कर्मचारियों को जलस्तर बढ़ने की स्थिति में तत्काल सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को भी सावधानी बरतने और नदी के किनारे जाने से बचने के लिए जागरूक किया जा रहा है। विभाग के शिफ्ट इंचार्ज ने बताया कि यमुना का जलस्तर अभी खतरे के निशान से नीचे है। विभागीय टीमें लगातार आंकड़े जुटा रही हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

केशीघाट परिक्रमा मार्ग बंद, लगाई टीन की चादर

वृंदावन। हथिनी कुंड से छोड़े जा रहे पानी के कारण यमुना में बढ़ रहे जल स्तर से केशीघाट परिक्रमा मार्ग पर पानी पहुंचने की खबर से जिला प्रशासन अलर्ट हो गया। अब प्रशासन ने केशी घाट परिक्रमा की ओर पानी में होकर जाने वाले मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया। टीन शैड के साथ बैरीकेडिंग कर दी है। अब कोई भी परिक्रमार्थी पानी में होकर परिक्रमा के लिए नहीं जा सकेगा। यमुना में बढ़ते जल स्तर के नजारे को देखने के लिए श्रद्धालु घाटों की ओर रूख कर रहे हैं।

आपूर्ति निरीक्षक ने गोदाम पर मारा छापा सात कुंटल राशन का चावल बरामद

यूनिक समय, मथुरा। आपूर्ति निरीक्षक ने ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक प्राइवेट गोदाम पर छापा मारकर सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान पर बिकने वाला सात कुंटल चावल बरामद किया है। गोदाम मालिक के खिलाफ थाना हाईवे में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जिला पूर्ति अधिकारी से किसी व्यक्ति ने शिकायत की ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक प्राइवेट व्यक्ति के गोदाम में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों पर बिक्री किए जाने वाले राशन के चावल कालाबाजारी के लिए रखे हुए हैं। इस सूचना पर जिला पूर्ति अधिकारी ने आपूर्ति निरीक्षक जांच के आदेश दिए। आपूर्ति निरीक्षक ने ट्रांसपोर्ट नगर स्थित यशपाल के गोदाम पर छापा मारा तो वहां सात कुंटल राशन का चावल बरामद हुआ। आपूर्ति निरीक्षक ने यशपाल के खिलाफ थाना हाइवे में रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद बरामद चावल को कृष्णानगर के डीलर हरिशचंद चतुर्वेदी को सुपुर्द कर दिया।

गोदाम मालिक के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

केसरी घटा में विराजमान होकर राजाधिराज ने दिए भक्तों को दर्शन

केसरी घटा में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देते राजाधिराज।

यूनिक समय, मथुरा। सावन माह के 12 वें दिन ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में राजाधिराज ने केसरी घटा में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। इस अवसर पर मंदिर परिसर को केसरी रंग के कपड़ों और आकर्षक सजावट से सजाया गया। केसरी घटा के दौरान मंदिर का वातावरण भक्तिमय नजर आया और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी के दर्शन किए। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि ठाकुर जी को लाड़—लड़ाने की परंपरा के तहत सावन माह में अलग—अलग घटाओं और हिंडोलों में विराजमान कराया जाता है। उन्होंने बताया कि ठाकुर जी कल शाम 5:10 बजे से 5:40 बजे तक स्वर्ण- रजत हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

मौसम बदलते ही जिला अस्पताल में बढ़े मरीज

ओपीडी पर्चा बनवाने के लिए लाइन में लगे मरीज।

सोमवार को करीब 180 मरीजों ने कराया उपचार

बुखार-सर्दी, लीवर, कमजोरी और डायरिया का इलाज

यूनिक समय, मथुरा। बारिश के मौसम में बदलाव का असर अब लोगों की सेहत पर दिखाई देने लगा है। मौसम बदलते ही जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। सोमवार को करीब 180 मरीजों ने जिला अस्पताल में उपचार कराया। इनमें बुखार, सर्दी-जुकाम, खांसी, लीवर, कमजोरी, चक्कर, डायरिया और सांस से जुड़ी परेशानी के मरीज अधिक रहे। हालत खराब होने पर करीब छह से आठ मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया।

जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. रवि माहेश्वरी ने बताया कि मौसम बदलने से कई तरह की बीमारियां बढ़ रही हैं। सोमवार को ओपीडी में मरीज बुखार, सर्दी, जुकाम और खांसी की शिकायत लेकर पहुंचे, ऐसे करीब 40 मरीज रहे। लीवर से जुड़ी परेशानी वाले करीब 35 मरीजों ने उपचार कराया। उन्होंने बताया कि खून की कमी, कमजोरी की शिकायत लेकर करीब 32 मरीज पहुंचे। चक्कर और घबराहट की समस्या वाले करीब 22 मरीज भी ओपीडी में आए। टीबी से संबंधित करीब 18 मरीजों ने भी जांच और इलाज कराया। डायरिया के करीब 18 मरीज सामने आए। शराब के सेवन से जुड़ी परेशानी वाले करीब 15 मरीज भी उपचार के लिए पहुंचे। इसके अलावा करीब 10 मरीज अन्य बीमारियों से परेशान होकर अस्पताल इलाज कराने आए। डॉ. माहेश्वरी ने बताया कि बारिश के मौसम में लोगों को अपने खान-पान पर ध्यान देना चाहिए। गंदा पानी पीने और खुले में रखे खाद्य पदार्थ खाने से बीमारी फैल सकती है। बारिश के कारण जगह-जगह पानी जमा होने से भी संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि साफ पानी पीने और रखा हुआ खाना नहीं खाना चाहिए। यदि बुखार, लगातार खांसी, सांस लेने में परेशानी, डायरिया, कमजोरी या चक्कर आने की शिकायत हो तो खुद से दवा लेने के बजाय चिकित्सक को दिखाकर ही दवा लेनी चाहिए।

पूर्व राष्ट्रपति के लगाए पौधे को बंदर ने उखाड़ा

यूनिक समय, वृंदावन। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों से लगाए पौधा को बंदर ने उखाड़ दिया। इस पौधा को मुश्किल से 24 घंटे तक सहेज कर नहीं रखा जा सका।गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रविवार सुबह ज्ञान गुदड़ी स्थित वैजयंती धाम (आश्रम) गए थे। यहां उन्होंने भगवाताचार्य पुंडरीक गोस्वामी के साथ मुलाकात की थी। इस दरम्यान गोपी-उद्धव संवाद स्थल परिसर में उन्होंने पौधा लगाया था। क्षेत्र वासियों की मानें तो बंदर की नजर पौधा पर पड़ी और उसने तहस नहस कर डाला। पौधे को नुकसान पहुंचा रहे बंदर को लेकर लोग भी चर्चा भी कर रहे है।

रेलवे स्टेशन पर चला टिकिट जांच अभियान 59 यात्रियों से वसूले 27,150 रुपये

यूनिक समय, कोसीकलां। रेलवे राजस्व को बढ़ाने और यात्रियों को बिना टिकट यात्रा से रोकने के लिए स्थानीय रेलवे स्टेशन पर विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। मंडल वाणिज्य निरीक्षक कोसीकलां बीके पांडे और मुख्य टिकट निरीक्षक मथुरा हेमंत अग्रवाल के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में पांच टिकट चेकिंग स्टाफ, चार रेलवे सुरक्षा बल जवानों की टीम मौजूद रही। टिकट चेकिंग के दौरान 59 यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई कर रसीद बनाई गई। इस अभियान से रेलवे को 27,150 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

शेरगढ़ में ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप

कार्रवाई के लिए डीएम को दिया गया है शिकायती पत्र

सड़क किनारे की कीमती जमीन पर चल रहा है कब्जा

यूनिक समय, मथुरा। छाता तहसील की ग्राम पंचायत शेरगढ़ में ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे और निर्माण को लेकर सोमवार को डीएम से शिकायत की गई है। ब्राह्मण समाज सेवा समिति, आदमपुर की ओर से दिए गए प्रार्थना पत्र में दबंग भूमाफियाओं द्वारा ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा किए जाने का आरोप लगाते हुए उसे रुकवाने और भूमि को कब्जामुक्त कराने की मांग की गई है।

शिकायत में कहा गया है कि ग्राम पंचायत शेरगढ़ की ओर से 10 मार्च 2003 को आवासीय पट्टों की पत्रावली स्वीकृत की गई थी। पत्र के अनुसार, पत्रावली में क्रमांक 146 पर भोलू पुत्र मंगतू और क्रमांक 149 पर शहीद पुत्र मंगतू निवासी शेरगढ़ के नाम पट्टा दर्ज है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, संबंधित भूमि का उल्लेख खसरा संख्या 674 सहित राजस्व अभिलेखों में किया गया है।

प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि चार अक्टूबर 2023 को शेरगढ़ के प्रधान प्रतिनिधि नीरज शर्मा ने दोनों पट्टेदारों से कथित रूप से 100-100 वर्गगज भूमि का बैनामा कराने की कार्रवाई की। इसके बाद ग्राम समाज की भूमि पर बड़े पैमाने पर व्यावसायिक निर्माण किए जाने का आरोप है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि शेरगढ़-नौहझील मार्ग पर ग्राम समाज की भूमि पर करीब 500 से 600 वर्गगज क्षेत्र में व्यावसायिक दुकानों का अवैध निर्माण किया जा रहा है। मामले में मौजा शेरगढ़ के लेखपाल पंकज चौधरी की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं,आरोप लगाया गया है कि पैमाइश के माध्यम से कथित कब्जे को वैध रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। डीएम ने पट्टा निरस्तीकरण की कार्रवाई को कहा है।

जिले में बच्चों को खिलाई गई कृमि मुक्ति की दवा

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का हुआ शुभारंभ

महावन के उच्च प्राथमिक विद्यालय में सीएमओ ने बच्चों को खिलाई गोली

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर सीएमओ डा. राधाबल्लभ, साथ में संबधित अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार से जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान शुरू हुआ। स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए जा रहे अभियान के तहत एक से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोर-किशोरियों को कृमि संक्रमण से बचाने के लिए एलबेंडाजोल की गोली खिलाई गई।

अभियान का शुभारंभ उच्च प्राथमिक विद्यालय महावन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा बल्लभ ने बच्चों को एलबेंडाजोल की गोली खिलाकर किया गया। जिले के सरकारी और निजी विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों सहित अन्य निर्धारित स्थानों पर भी बच्चों को दवा खिलाई गई। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभियान के माध्यम से बच्चों और किशोर-किशोरियों को कृमि संक्रमण से बचाने के लिए पहले ही दिन जिले में आठ लाख के करीब एलबेंडाजोल गोली खिलाई गई। सीएमओ ने बताया कि कृमि संक्रमण के कारण बच्चों के शरीर में पोषक तत्वों की कमी होती है,जिससे कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। पेट के कीड़े शरीर से पोषण लेते हैं। ऐसे में पौष्टिक भोजन लेने के बाद भी बच्चे के स्वास्थ्य और शारीरिक विकास पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि जिले में एक से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोर-किशोरियों को अभियान के तहत एलबेंडाजोल की दवा खिलाई जा रही है। जिला सामुदायिक प्रक्रिया समन्वयक डॉ. पारुल शर्मा ने बताया कि अभियान को आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और विद्यालयों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.अनुज चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बाद 14 अगस्त को जिले में मॉप-अप राउंड चलाया जाएगा। अभियान के दिन जो बच्चे विद्यालय या आंगनवाड़ी केंद्र पर अनुपस्थित रहने अथवा किसी अन्य कारण से दवा खाने से वंचित रह जाएंगे, उनकी सूची तैयार की जाएगी। इस मौके पर डॉ. वी.एस. सिसोदिया, चिकित्सा अधीक्षक बलदेव, बीपीएम विवेक कुमार, विद्यालय की प्रधान अध्यापक ज्योति दीक्षित, प्राची शर्मा, रेखा शर्मा, दीपमाला, पिंकी, कुमार रामवीर, कोमल प्रसाद, रिंकी, चित्रा रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ग्रामीण बैंक में चोरों ने किया चोरी का प्रयास

जंगला तोड़ कर किया प्रवेश, कटर से कैशरुम का दरवाजा काटा

तिजोरी को काटने में चोरों को नहीं मिली कामयाबी

यूनिक समय, फरह। कस्बा में मुख्य चौराहे के समीप स्थित उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक में चोरी की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। चोरों ने बैंक के पीछे का जंगला तोड़कर प्रवेश किया और कटर से तिजोरी का काटने का प्रयास किया, लेकिन चोर कामयाब नहीं हो सके ।

मुख्य चौराहे स्थित उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की शाखा के मैनेजर रजत चौधरी ने बताया कि वह शुक्रवार को बैंक बंद करने के बाद गए। शनिवार और इतवार की छुट्टी थी। रविवार की प्रातः बैंक के बगल में स्थित जनसेवा केंद्र के संचालक माधव उपाध्याय ने सूचना दी कि बैंक का जंगला टूटा हुआ है। मैनेजर ने बैंक पहुंच कर पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी। पुलिस की 112 मोबाइल भी आ गई। जानकारी पर थाना प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल भी बैंक पहुंच गए। निरीक्षण के दौरान पता लगा कि बैंक के बराबर स्थित खाली प्लाट से होकर चोर आए और बैंक के पीछे लोहे की सरिया लगे जंगले को तोड़ कर अंदर प्रवेश किया। चोरों ने कैशरुम का दरवाजा कटर से काटा, अंदर पहुंचकर तिजोरी की भी काटने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। चोर बैंक में लगे कैमरों की डीवीआर भी चोरी कर ले गए। फॉरेंसिक टीम ने भी कई नमूने लिए। बैंक मैनेजर ने इस मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना फरह में रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल का कहना है कि चोरों की जानकारी करने के लिए आस–पास के इलाके के सीसी टीवी कैमरों की फुटेज को खंगाल रही है।

पुलिस ने गिरफ्तार किया चोर

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने दुकान का शटर तोड़ कर चोरी करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चुराया गया सामान भी बरामद किया है। कोतवाली पुलिस ने दुकान की शटर को तोड़ कर दुकान से इंजन ऑयल और सेल्फ आदि सामान की चोरी करने के मामले में प्रकाश में आए अभियुक्त दिनेश निवासी नौगांव थाना छाता को बाजना रेलवे पुल के समीप से हाइवे से गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके पास से दुकान से चुराए गए इंजन ऑयल के आठ डिब्बे, गाड़ी का एक सेल्फ और 800 रुपये बरामद हुए।

हरियाली अमावस्या को आखिरी फूल बंगला

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में हरियाली अमावस्या को आखिरी फूल बंगला होगा। 15 अगस्त को ठाकुर श्री बांके बिहारी महाराज भव्य-दिव्य रूप में स्वर्ण रजत झूले में दर्शन देंगे । 12 अगस्त को हरियाली अमावस का आखिरी फूल बंगला है।

एसडीएम ने दिलाई नशा मुक्ति अभियान की शपथ

नशा मुक्ति को जारी पोस्टर दिखाते एसडीएम अखिलेश कुमार आदि।

20 अगस्त तक देश में 100 करोड़ लोगों को शपथ दिलाने का लक्ष्य

अभियान से जोड़ने के लिए जारी किया क्यूआर स्कैन

यूनिक समय, छाता। तहसील परिसर में सोमवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित हुआ। एसडीएम अखिलेश कुमार ने उपस्थित अधिकारियों- कर्मचारियों को नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई।

एसडीएम अखिलेश कुमार ने बताया कि देशभर में 20 अगस्त तक करीब 10 करोड़ लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में तहसील में भी नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत की गई।

उन्होंने सभी से अपील की है कि एक व्यक्ति कम से कम 50 लोगों को जोड़ने का काम करें, एसडीएम ने जोड़ने के लिए क्यूआर स्कैन भी जगह जगह जारी किया है। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ–साथ उसके परिवार और समाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। सभी लोगों को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी नशे के खिलाफ जागरूक करने का संकल्प लेना चाहिए।

'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के तहत जागरूकता का संदेश

यूनिक समय, वृंदावन। इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल फिलॉसफी महाविद्यालय में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन हुया। एनएसएस प्रभारी हेमेन्द्र कुमार के निर्देशन में शिक्षक–शिक्षिकाओं, कार्यालय कर्मी और छात्र–छात्राओं ने शपथ ग्रहण कार्यक्रम में भाग लिया। प्राचार्य प्रो. पीके सारस्वत ने कहा कि बच्चों को नशे से दूर रहकर विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

इस अवसर पर प्रो. सरला शर्मा, प्रो. अनंत कुमार यादव, प्रो. योगेन्द्र पाल सोलंकी, प्रो. संजय कुमार सिंह, प्रो. दीपिका वर्मा, डॉ. के.एल.अग्रवाल, डॉ. वीरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. निधि सिंह, सुनीत शुक्ला, डॉ. अनुज कुमार, मृदुला पाण्डेय, पवित्र गोस्वामी, धर्मेन्द्र कुमार और सुभाष कृष्ण सरकार उपस्थित थे।

एक्सप्रेस–वे पर दो कारों की भिड़ंत में चार लोग घायल

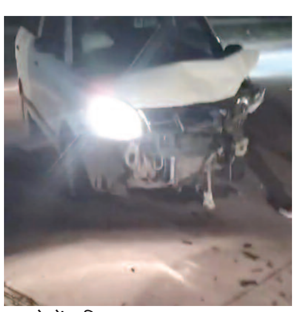
हादसे में क्षतिग्रस्त कार।

हादसे में अलीगढ़ और मथुरा के सवार हो गए घायल

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेस-वे पर बीती रात हुए नौहझील थाना क्षेत्र में माइल स्टोन संख्या 68 पर दो कारों की आपस में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। दुर्घटना में दोनों कारों के चालक समेत चार लोग घायल हो गए। यमुना एक्सप्रेस-वे कंट्रोल रूम और नौहझील थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

पुलिस के अनुसार, नोएडा से आगरा की ओर जा रही कार एक कार आ रही थी। कार को चालक मुकीम उस्मानी निवासी डीग गेट चला रहा था। कार में सलमान निवासी डीग गेट भी सवार थे। इसी दौरान दूसरी ओर से आ रही वैगनआर कार को राजा पुत्र राम सिंह निवासी बिचपुरी, खैर, अलीगढ़ चला रहे थे। रात को दोनों वाहन आपस में जोरदार तरीके से टकरा गए। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे में दोनों वाहनों के चालक समेत चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद एक्सप्रेस-वे पर कुछ समय के लिए वाहनों की रफ्तार थम गई और जाम जैसी स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही यमुना एक्सप्रेस-वे की पेट्रोलिंग टीम और नौहझील थाना प्रभारी अंजीश कुमार, बाजना कट चौकी इंचार्ज हरेंद्र सिंह तोमर भी मौके पर पहुंच गए। पुलिसकर्मियों और पेट्रोलिंग टीम ने क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नौहझील भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, सभी घायल खतरे से बाहर बताए गए हैं। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को क्रेन की मदद से हटवाया गया। इसके बाद यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों वाहनों की आपस में टक्कर होने से यह दुर्घटना हुई।

बाइक को कार ने मारी टक्कर डिलीवरी बॉय की मौत, साथी घायल

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर छाता क्षेत्र में एक बाइक को तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में सवार डिलीवरी बॉय की मौत हो गई, साथी गंभीर घायल हो गया। थाना सुमेरपुर के सुमेरपुर जिला हमीरपुर का निवासी मनोज कुमार गुरुग्राम में डिलीवरी बॉय का काम करता है। बताया गया कि वह अपने साथी अनिल कुमार के साथ बाइक से बीती रात गुरुग्राम के लिए जा रहा था। रास्ते में राष्ट्रीय राजमार्ग19 पर छाता इलाके में पीछे से आती तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों बाइक सवार गंभीर घायल हो गए। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल अनिल कुमार को अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया। इसके साथ मनोज कुमार के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दोनों के परिवारीजनों को भी सूचना दी।

स्वतंत्रता दिवस पर होगी पांच किमी. की ओपन पुरुष–महिला दौड़

यूनिक समय, मथुरा। स्वतंत्रता दिवस पर खेल विभाग, जिला प्रशासन की ओर से 15 अगस्त को पांच किलोमीटर ओपन पुरुष-महिला दौड़ का आयोजन किया जाएगा। दौड़ का आयोजन सुबह 9 बजे राइफल क्लब के मुख्य द्वार से डीएम करेंगे। प्रतिभागी राइफल क्लब से पेट्रोल पंप चौराहा, पंचायत भवन, जिला कारागार, ब्लॉक कार्यालय, डेयरी फार्म और ऑफिसर्स कॉलोनी होते हुए वापस राइफल क्लब पहुंचेंगे, जहां समापन होगा। प्रतिभागियों को दौड़ शुरू होने से पहले राइफल क्लब से अपना चेस्ट नंबर प्राप्त करना होगा। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में पुरुष-महिला वर्ग के प्रथम छह विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

रेलवे ट्रैक बदलने को दो दिन बंद रहेगा समपार

12 की शाम छह बजे से 13 अगस्त शाम छह बजे तक बंद रहेगा मार्ग

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल में मथुरा छावनी और मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशनों के बीच स्थित समपार संख्या 357/ए (किमी 350/8–9) पर रेलवे ट्रैक बदलने और ओवरहॉलिंग का कार्य किया जाएगा। इसके चलते समपार को करीब 24 घंटे के लिए बंद रखा जाएगा।

रेलवे के अनुसार, समपार पर 12 अगस्त की शाम छह बजे से 13 अगस्त की शाम छह बजे तक ट्रैक संबंधी कार्य चलेगा। इस दौरान समपार से सड़क यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। वाहन चालकों को इस मार्ग से आवागमन की अनुमति नहीं होगी।

रेल प्रशासन ने बताया कि पहले यह कार्य 10 अगस्त की शाम छह बजे से 11 अगस्त की शाम छह बजे तक प्रस्तावित था, लेकिन अपरिहार्य कारणों के चलते इसे स्थगित कर नई तिथि तय की गई है। समपार बंद रहने के दौरान धौली प्याऊ और स्टेट बैंक की ओर आने–जाने वाले वाहन मछली फाटक ओवरब्रिज के रास्ते अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे।

मनकामेश्वरी मंदिर पर हरियाली तीज महोत्सव 15 को

यूनिक समय, राया। हरियाली तीज पर गणेशबाग स्थित मनकामेश्वरी मंदिर पर हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन 15 अगस्त को सायं चार बजे किया जायेगा। सेवायत महंत मनोज नागर ने बताया कि माता मनकामेश्वरी हरी पोशाक धारण कर झूले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगी, भजन-कीर्तन होगा।

NABH PRE ACCREDITED

अब दिल का इलाज हुआ और भी आसान, मथुरा का सबसे विश्वसनीय

QCI QUALITY COUNCIL OF INDIA Creating an Ecosystem for Quality

हृदय रोग संस्थान

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत PM-JAY

आयुष्मान कार्ड धारकों का निशुल्क इलाज

अगर आप महसूस कर रहे हैं ये लक्षण तो बिना देरी किए चिकित्सीय परामर्श एवं इलाज लें

जैसेः–बेचैनी, घबराहट, सीने में जकड़न, भारीपन व दवाब महसूस होना, सांस लेने में तकलीफ या सांस फूलना, ठंडा पसीना आना, चक्कर आना, गले में घुटन सी होना, आंखों के सामने अंधेरा होना, बाएं हाथ या कंधे में दर्द होना, गर्दन या पीठ के बीच में दर्द होना

DR. ACHAL SHARMA
DM Cardiology (KEM Mumbai)
DrNB cardiology, DNB Gen Medicine

ओ.पी.डी. प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक 24X7 आपातकालीन

फ्री ओ.पी.डी. | ई.सी.जी ब्लड शुगर की जाँच

हेल्थ इंश्योरेन्स से कैशलेस इलाज की सुविधा | भारतीय रेलवे से सम्बद्ध | ECHS की सुविधा

TEST	MARKET RATE	OUR RATE
ECHO	2500	1000
TMT	1500	500
Holter	2000	1500
Angiography	10000	7000
Angioplasty	140000	90000 (Stent charge Extra)
Pacemaker (TPI)	15000	9000

अन्य सुविधाएं
- Angioplasty, Angiography
- Heart Failure Management
- Pediatric Cardiac Intervention/ Coarctoplasty (छाती में बिना चीरा लगाए दिल के छेद को बन्द करना) Volvuloplasties, BMV
- 2D ECHO (Adult, Pediatric, Fetal DSE, Strain, Tee)
- Cardiac ICU with all modern facilities
- Cardial Catheterization

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर
अकबरपुर, छाता, मथुरा हैल्पलाइन नं. 7055400400, 7088105741

सावन के दूसरे सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

श्रीकृष्ण जन्मभूमि गेट तीन स्थित गर्तेश्वर मंदिर अभिषेक करते श्रद्धालु।

गोकुल से वृंदावन तक दिखी शिवभक्ति

गोकुल के चिंताहरण महादेव और वृंदावन के प्राचीन गोपेश्वर महादेव मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। मंदिरों के आसपास सुबह से ही धार्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालु कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। मंदिर परिसर में सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी भी तैनात रहे। वहीं, फरह कस्बा और क्षेत्र के मंदिरों में सुबह से महादेव की भक्ति दिखी।

सावन के दूसरे सोमवार को भूतेश्वर मंदिर में नंदी से प्रार्थना करती महिला।

सुरक्षा को लेकर पुलिस रही मुस्तैद

श्रद्धालुओं की भीड़ और कांवड़ियों की आवाजाही को देखते हुए प्रमुख शिवालयों और कांवड़ मार्गों पर पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिसकर्मियों ने भीड़ को नियंत्रित करने के साथ यातायात व्यवस्था संभाली। संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखी गई। पूरे जिले में दूसरे सोमवार पर आस्था और उल्लास का माहौल दिखाई दिया। सुबह से देर शाम तक शिवालयों में जलाभिषेक का सिलसिला चलता रहा और वातावरण भोलेनाथ के जयकारों से गूंजता रहा।

वृंदावन के शिव मंदिरों में बम–बम भोले की गूंज

हर–हर महादेव के जयकारों से गूंजा मथुरा डाक कांवड़ ने बढ़ाई रौनक

60 किलो की कावड़ लेकर पहुंचे शिवभक्त

दूसरे सोमवार को भव्य फूल-बंगले और छप्पन भोग के बीच विराजे नगर के कोतवाल भूतेश्वर महादेव।

यूनिक समय, मथुरा। सावन के दूसरे सोमवार को कान्हा की नगरी भगवान शिव की भक्ति में डूबी नजर आई। भोर होते ही शहर से लेकर देहात तक शिवालयों के कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। हाथों में गंगाजल, बेलपत्र और पूजा की थाली लिए भक्त भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए कतारों में खड़े दिखाई दिए। मंदिरों में पूरे दिन हर–हर महादेव और बम–बम भोले के जयकारे गूंजते रहे।

शहर के प्रमुख रंगेश्वर महादेव, भूतेश्वर महादेव, नीलकंठ महादेव और गोकर्णनाथ महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने भगवान शिव का गंगाजल, दूध और पंचामृत से अभिषेक किया। इसके बाद बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल और पुष्प अर्पित कर सुख–समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा–अर्चना की।

वृंदावन। श्रावण के दूसरे सोमवार को सुबह से छोटे–बड़े शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने के लिए शिव भक्तों का पहुंचना शुरु हो गया था। प्राचीन गोपेश्वर महादेव मंदिर में धक्का-मुक्की करते हुए श्रद्धालुओं ने महाकालेश्वर और गोपश्वर महादेव के दर्शन कर जलाभिषेक किया। मंदिर के बाहर से फूल, बेल पत्र समेत अन्य पूजा सामान बेचने वालों की लाइन लगी नजर आई। मंदिर के बाहर भी भिखारी लाइन लगाए बैठे थे। बनखंडी तिराहा स्थित बनखंडेश्वर महादेव मंदिर में भी सुबह से जलाभिषेक करने वाले शिव भक्तों की भीड़ नजर आई। सायं के वक्त शिव मंदिरों में बंगला सजाए गए।

कोसीकलां। सावन माह में शिवभक्ति का अद्भुत नजारा कोटवन बॉर्डर पर देखने को मिला। हरिद्वार से 60 किलो की विशाल कावड़ लेकर फरसा वाला बाबा टीम जब सीमा पर पहुंची तो पूरा माहौल हर हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंज उठा। कावड़ियों की कठिन तपस्या और आस्था को देखकर हर कोई नतमस्तक था। नंगे पैर, कांधे पर भारी कावड़ और चेहरे पर भक्ति का तेज लेकर आए शिवभक्तों का पुलिस और स्थानीय लोगों ने फूल–मालाओं से भव्य स्वागत किया। कोटवन चौकी इंचार्ज उत्तम चौहान अपनी टीम के साथ कावड़ियों की अगवानी के लिए पहुंचे। सेवा भाव दिखाते हुए पुलिस की ओर से कावड़ियों के लिए जलपान, विश्राम और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई। फरसा वाला बाबा टीम के कावड़ियों ने बताया कि वे हरिद्वार से गंगाजल लेकर चले हैं। 11 अगस्त को वह इस पवित्र जल को बोले बाबा के मंदिर में समर्पित कर अपनी कठिन कावड़ यात्रा को पूर्ण करेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

रंगेश्वर मंदिर में बाबा को समर्पित करने को डाक कांवड़ लेकर आए श्रद्धालु।

डाक कांवड़ में दिखा युवाओं का जोश

सावन के दूसरे सोमवार पर जिलेभर में डाक कांवड़ की विशेष धूम रही। गंगाजल लेकर लौटे कांवड़ियों के जत्थे निर्धारित मार्गों से शिवालयों की ओर बढ़ते रहे। डीजे और बैंडबाजों की धुन पर कांवड़िये भोलेनाथ के भजनों पर झूमते नजर आए। कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। रास्ते में जगह–जगह पेयजल और प्रसाद की व्यवस्था भी की गई।

पौधारोपण करते विद्यार्थी।

विद्या देवी जिंदल स्कूल के विद्यार्थियों ने रोपे पौधे

यूनिक समय, कोसीकलां। विद्या देवी जिंदल स्कूल में इको क्लब के छात्र–छात्राओं ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधे रोपे। प्रधानाचार्य सौम्या नाथ ,उप प्रधानाचार्य जिक्समोन पी. ने छात्र–छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए पापड़ी ,कांजी, गुलमोहर, नीम , बरगद, जामुन ,फाइकस, आंवला, पाम ट्री आदि का जीतन माली के सहयोग से रोपण कराया। पौधारोपण में इको क्लब केसदस्य आयुष अनंत, गर्वेश शर्मा, प्रियंका चौधरी,परी खंडेलवाल, निखिल चौधरी, सक्षम गोस्वामी, पायल ,श्रेया जैन, महिमा ,प्रियांशी भारद्वाज, रुद्राक्ष गोस्वामी ,पलक जैन, अंशिका आदि के साथ–साथ क्लास टीचर किरण सिंह, महुआ राय, सीमा शर्मा अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों ने पौधे रोपे। डायरेक्टर नितिन शर्मा ,मैनेजर जेबी गुप्ता ने कहा कि हमें प्रकृति से प्रेम करना सीखना चाहिए। संचालन इको क्लब के प्रेसिडेंट सुयश शर्मा, कपिल दुबे, पूनम सिंह, इको क्लब प्रभारी दिनेश चन्द्र ने किया।

पूर्व मंत्री महेश गुप्ता वैश्य समाज की शान

यूपी के पूर्व मंत्री महेश गुप्ता को बधाई देते भाजपा के जिला उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय आदि।

यूनिक समय, मथुरा। यूपी के पूर्व मंत्री-बदायूं सदर से भाजपा के विधायक महेश गुप्ता के जन्म दिन पर बदायूं में आयोजित कार्यक्रम में मथुरा और आगरा से गए वैश्य समाज के लोगों ने भाग लिया।

सभी ने पूर्व विधायक महेश गुप्ता को वैश्य समाज की शान, वार्ष्णेय समाज को गौरवान्वित करने वाले बताया।

उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री ने वैश्य समाज को आगे बढ़ाने के लिए, हमेशा प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में मथुरा से भाजपा के जिला उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय, वैश्य महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, राष्ट्रीय महासचिव संजीव कुमार वार्ष्णेय, ओंकार सिंह, सोनू सिंह आदि ने विधायक का सम्मान किया। इस मौके पर मंडल और जिले की जिम्मेदारी संभाल रहे भाजपा कार्यकर्ताओं का भी सम्मान किया।

कमल किशोर वार्ष्णेय ने बदायूं जाकर बधाई दी

युवा प्रधान ने ग्राम पंचायत में जगाई स्वच्छ पर्यावरण की अलख

सरस्वती के आंगन में हरियाली का बसेरा

यूनिक समय, मथुरा। पांच साल पहले नए-नए सपनों के साथ ब्लाक क्षेत्र के कई युवा ग्राम पंचायतों के प्रधान निर्वाचित हुए। कुछ के सपने काम के बोझ तले दब गए, जबकि कुछ ने हौंसलों और हिम्मत से सपनों को साकार करने को काम किया। ऐसे युवा प्रधानों में शामिल ओमप्रकाश तरकर(ओमी प्रधान)ने ऐसा सपना देखा और साकार किया, जिसे कई पीढ़ियां सदियों तक याद रखेंगी।

जूनियर हाईस्कूल में लगाए गए पौधों को दिखाते प्रधान ओमप्रकाश तरकर।

सरकारी स्कूल, गांव और नाले की पटरी पर खड़ी की हरियाली

ग्राम रैसू के निवासी ओमप्रकाश तरकर ने मई 2021 में ग्राम पंचायत रैसू जलाल के प्रधान पद को नामांकन किया। गांव के विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर ओमप्रकाश ने प्रधानी का चुनाव लड़ा। मतदाताओं ने बातों- वादों पर भरोसा करके ग्राम पंचायत का ताज ओमप्रकाश के सिर सजा दिया। प्रधान निर्वाचित होने के बाद उन्होंने ब्लाक प्रमुख नीति अनिल सिंह के सहयोग से पंचायत क्षेत्र में कई कच्चे मार्गों को इंटरलाकिंग युक्त कराया। ऐसे विकास से उनका मन नहीं भर रहा था, वह तो कुछ ऐसा करने के लिए उतावले थे, जिसको पीढ़ियां याद करें।

प्रधान ओमप्रकाश तरकर बताते हैं कि वह अपने गांव रैसू में घर के सामने बेसिक शिक्षा विभाग के प्राइमरी और जूनियर हाईस्कूल परिसर को सूना देखते तो मन बैचेन होता। कई दिन इस सरस्वती के सूने आंगन को देखकर उनके मन में हरियाली पैदा करने का विचार आया।

इसके बाद गांव के दोनों सरकारी स्कूलों के अलावा हर घर के सामने पौधा रोपित करने का काम शुरू किया, जिसमें ग्राम पंचायत सचिव गोपाल चौधरी का योगदान भी मिलने लगा। इसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत में शामिल जलाल, गढ़ी, रैसू के अलावा नाले की पटरी पर पौधे लगाए।

पांच साल तक हरियाली रौपने वाले प्रधान ओमप्रकाश तरकर की मेहनत का संकल्प आज रैसू के जूनियर हाईस्कूल में दिख रहा है। करीब ढाई बीघा जमीन में बने इस स्कूल के परिसर में सात सौ के करीब पौधे अब पेड़ का आकार ले चुके हैं। हरियाली और पेड़ों से ढका सरस्वती का आंगन हर किसी को मोहता है। इस स्कूल में शीशम, नीम, पाकड़, बरगद, सहजन, कंजी, गुलमोहर, जामुन, कदम्ब के पेड़ अब आकार ले चुके हैं। प्रधान ओमप्रकाश तरकर का कहना है कि कोई काम बड़ा नहीं होता, केवल हिम्मत और हौंसला चाहिए।

सैनिक बंधु बैठक में पूर्व सैनिकों और वीर नारियों की समस्याओं पर हुई चर्चा

यूनिक समय, मथुरा। एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सैनिक बंधु की बैठक हुई। बैठक में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों की व्यक्तिगत समस्याओं पर चर्चा की गई।

बैठक में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमांडर जगबीर सिंह ने पिछली बैठकों में प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी एडीएम को दी। साथ ही नए प्राप्त प्रार्थना पत्रों को भी विचार के लिए रखा गया।

वरिष्ठ सैनिक बंधु एवं कोऑर्डिनेटर उत्तर प्रदेश खेमचंद शर्मा नगेश ने बताया कि पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों की विभिन्न व्यक्तिगत समस्याओं के बारे बताया गया। इस मौके पर दिनेश वासु, हरिओम तिवारी, हरिहर शर्मा, प्रेम सिंह, रघुवीर सिंह, सूबेदार शुक्ला, वीर नारी रचना, त्रिवेणी, सदाशिव आदि मौजूद रहे।

अटारी और अरबनूर बॉर्डर को निकली राष्ट्र रक्षा सूत्र बंधन यात्रा

राष्ट्र रक्षा सूत्र बंधन यात्रा में शामिल संविद् गुरुकुलम् बालिका सैनिक स्कूल की छात्राएं।

संविद् गुरुकुलम् बालिका सैनिक स्कूल की छात्राओं ने निकाली 25 वीं रजत जयंती यात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। संविद् गुरुकुलम् बालिका सैनिक स्कूल द्वारा आयोजित 25 वीं रजत जयंती राष्ट्र रक्षा सूत्र बंधन यात्रा सोमवार को वृंदावन से मथुरा पहुंची। 'एक राखी, एक सैनिक, एक राष्ट्र' के संदेश के साथ निकाली जा रही यह यात्रा अटारी और अरबनूर बॉर्डर पर तैनात सैनिकों के लिए राखियों को लेकर जागरूक किया। यात्रा साध्वी ऋतंभरा के निर्देशन में आयोजित की गई। वृंदावन से शुरू हुई यात्रा मथुरा के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरी। गोवर्धन चौराहा, कृष्णानगर और भूतेश्वर सहित शहर के प्रमुख मार्गों से यात्रा निकाली गई। यात्रा में संविद् गुरुकुलम् बालिका सैनिक स्कूल की छात्राएं बैंड के साथ शामिल हुईं। छात्राओं ने देशभक्ति, भक्ति गीतों के साथ सैनिकों के प्रति सम्मान और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। यात्रा में शामिल छात्राओं ने हाथों में तिरंगा और राष्ट्र रक्षा से जुड़े संदेश लेकर लोगों को देश की सीमाओं पर तैनात जवानों के प्रति कृतज्ञता का भाव रखने का संदेश दिया। देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों तक बहनों का स्नेह और राखी पहुंचाना है। यात्रा में छात्राओं के साथ विद्यालय से जुड़े शिक्षक, कर्मचारी और अन्य लोग भी शामिल रहे।

समय से वेतन भुगतान न होने को लेकर शिक्षकों में आक्रोश

लेखा-वित्त अधिकारी शैलेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारी।

व्यवस्था नहीं सुधरी तो अगले माह वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय पर होगा धरना

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय शिक्षकों को समय से वेतन भुगतान न होने की समस्या को लेकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राया के पदाधिकारियों ने सोमवार को वित्त-लेखाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने समय से वेतन भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने की मांग की।

महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों को प्रत्येक माह समय से वेतन मिलना उनका अधिकार है, लेकिन बार-बार वेतन में देरी होने से जनपद के शिक्षकों में रोष है।

होम लोन और अन्य ऋणों की ईएमआई निर्धारित तिथि पर खाते से कटने के कारण वेतन में देरी होने पर ईएमआई बाउंस होने, बैंक पेनाल्टी लगने और क्रेडिट स्कोर (सिबिल) प्रभावित होने जैसी समस्याएं सामने आती हैं। इसके अलावा बच्चों की फीस, बिजली-पानी के बिल, बीमा प्रीमियम और अन्य जरूरी खर्च भी प्रभावित होते हैं। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि आगामी माह से वेतन भुगतान की व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो जनपद के शिक्षकों के साथ वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

वित्त एवं लेखाधिकारी शैलेंद्र सिंह ने शिक्षकों को आश्वासन दिया कि परिषदीय शिक्षकों का वेतन मंगलवार को उनके खातों में भेज दिया जाएगा।

ज्ञापन देने वालों में जिला मीडिया प्रभारी गोवर्धन दास गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष हरिओम गुप्ता, महामंत्री शैलेंद्र परिहार, कोषाध्यक्ष कीर्ति लवानिया, सुनील कुमार, मनमोहन गौतम, प्रमोद वर्मा, अर्चना वर्मा, महिला संघ अध्यक्ष पूनम गर्ग, रश्मि शर्मा और अंजली वर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

श्री बांके बिहारी समिति ने धूमधाम से मनाया तीज महोत्सव

तीज क्वीन शालिनी अग्रवाल के साथ आयोजक।

यूनिक समय,मथुरा। श्री बांके बिहारी समिति के तत्वाधान में तीज महोत्सव स्थानीय होटल में धूमधाम से मनाया गया। शुभारंभ समिति की अध्यक्ष वंदना अग्रवाल, दीप्ति त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलित कर किया। समिति की मंत्री रेनू अग्रवाल ने सभी का तिलक लगाकर स्वागत किया। समिति की महिलाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। बीना यादव ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किए तो वहीं पूनम तिवारी ने हाऊजी और तीज से जुड़े मनोरंजक खेल किए।

प्रीति अग्रवाल,मल्हार का सुंदर गायन नीता, स्नेहा, मंजू, पूनम और शालिनी ने किए। भावना, सपना, कामिनी, पूनम, राधा गोयल, चारू और डॉली ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में अर्चना, रश्मि, रीना, सुनेना, नीलम, संध्या, राधा, बिंदू, राजरानी, अंजलि, प्रिया, मुकुल आदि मौजूद रहीं।

ई-रिक्शा चालक बनेंगे स्वच्छता और यातायात जागरूकता के सारथी

जन जागरूकता और स्वच्छता संवाद अधिवेशन की तैयारियों का जायजा लेते नगर आयुक्त ओजस्वी राज। साथ हैं अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-वृंदावन नगर निगम की ओर से 13 अगस्त को पानीगांव रोड स्थित नवीन अनाज मंडी, वृंदावन में ई-रिक्शा चालकों के साथ जन-जागरूकता और स्वच्छता संवाद अधिवेशन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों का सोमवार को नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने निरीक्षण कर जायजा लिया। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर मंच, रेड कार्पेट, होर्डिंग, एलईडी स्क्रीन, बैठक, ई-रिक्शा पार्किंग, प्रवेश और निकास की व्यवस्था व्यवस्थित कराने के निर्देश दिए। ई-रिक्शा चालकों को स्वच्छता, यातायात नियमों के पालन और श्रद्धालुओं और पर्यटकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाएगा। नगर निगम ई-रिक्शाओं में डस्टबिन लगवाएगा। साथ ही 'हम सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' संदेश वाली प्लेटें और 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगे लगाए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, पार्षद गुलवीर सिंह और क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी महेश चंद्र मौजूद रहे।

दुष्कर्म का मामला, दर्ज हुई छेड़छाड़ की रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। आज के आर्थिक युग में मानवीय संवेदना शून्य हो गई हैं। एक मूक बधिर नाबालिग से गांव के एक दबंग युवक ने दुराचार किया। मां ने देखने के बाद पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने अपने हिसाब से मामला छेड़-छाड़ का बना दिया। पीड़िता का मेडिकल भी समय पर न करा कर तीन दिन बाद मेडिकल कराया। दबाव में न आने पर मां- बेटी का एक्सीडेंट करा दिया। फरह थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली मूक बधिर नाबालिग से पड़ोस के युवक ने दुराचार किया। मां ने देख लिया, मूक बधिर बोल नहीं पाई। मां उसे लेकर थाने आई तो पुलिस ने उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की। बाद में मिशन शक्ति की महिला पुलिस कर्मियों ने छेड़ छाड़ की तहरीर दे दी। पीड़िता का मेडिकल भी तीन दिन बाद कराया गया। गांव के दबंगों द्वारा पंचायत कर फैसला करने के लिए दबाव दिया गया। फैसला न करने पर गाली-गलौज की गई। आरोप है कि दबंगों ने बाइक से दोनों का एक्सीडेंट करा दिया। दोनों आगरा के अस्पताल में भर्ती है।

केपीएल-3 का भव्य ऑक्शन संपन्न, 10 टीमों ने लगाई बोली

केपीएल-3 प्रतियोगिता के ऑक्शन के दौरान मौजूद पदाधिकारी

यूनिक समय, मथुरा। एक स्थानीय होटल में केपीएल-3 का ऑक्शन आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि मोंटू मित्तल,प्रत्यूष जैन द्वारा ट्रॉफी से पर्दा हटाकर ऑक्शन का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने सभी टीम ऑनर्स, स्पॉन्सर्स और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

सीएई के डायरेक्टर जोरावर सिंह और केपीएल के फाउंडर कैलाश सोलंकी ने अतिथियों और टीम ऑनर्स का स्वागत किया। रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी जगदीश अग्रवाल ने बताया कि केपीएल अंडर-14 और अंडर-17 आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए आयोजित किया जा रहा है। ट्रायल के बाद चयनित खिलाड़ियों को ऑक्शन के माध्यम से विभिन्न टीमों में शामिल किया गया।

इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की माधवराव सिंधिया फाइटर्स के ऑनर्स प्रदीप रघुवंशी, विवेक शर्मा और शमी खान, ग्वालियर चीता के रिंकू गुर्जर, चंबल ट्रेडर्स के पंकज शर्मा और पवन बघेल, झारखंड की आरएस स्टार्स के बादशाह और आकाश सोलंकी, आगरा की कालरा एम्पायर के सुरजीत सिंह, गाजियाबाद की ट्राइडेंट लायंस के दिलीप उपाध्याय शामिल रहे। मथुरा की ब्लॉक इलेवन मथुरा के ऑनर्स प्रतीक भरंगर, नेहा रावत और अजीत चौधरी, स्माइलिज इलेवन के मोंटू मित्तल और संजय जिंदल, आदित्य एंटरप्राइजेज के प्रकाश अवस्थी, बांके बिहारी सारस्वत और मोहित द्विवेदी और यमुना पुत्र इलेवन के अमित शर्मा रहे।

राजीव एकेडमी में विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को दिए करियर के गुर

बदलते रोजगार बाजार में कौशल विकास जरूरी

वक्ता प्रो. (डॉ.) भावना छाबड़ा के साथ बीबीए विभाग के प्राध्यापक और विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। बदलते दौर में रोजगार के अवसरों के साथ कंपनियों की अपेक्षाएं भी तेजी से बदल रही हैं। ऐसे में विद्यार्थियों के लिए केवल शैक्षणिक डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि तकनीकी जानकारी, संवाद कौशल, समस्या समाधान की क्षमता और निरंतर सीखने की आदत विकसित करना भी जरूरी है। यह बात आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल, गुरुग्राम की एसोसिएट डीन प्रो. (डॉ.) भावना छाबड़ा ने राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान के दौरान कही।

बीबीए विभाग की ओर से 'बदलते रोजगार बाजार में आगे कैसे रहें' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में प्रो. छाबड़ा ने विद्यार्थियों को वर्तमान और भविष्य में रोजगार बाजार की संभावित दिशा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के दौर में वही युवा आगे बढ़ सकते हैं, जो उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप अपने ज्ञान और कौशल में लगातार सुधार करते रहें।

विशेषज्ञ वक्ता ने विद्यार्थियों को केस स्टडी के माध्यम से समझाया कि बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप करियर की तैयारी किस तरह की जा सकती है। उन्होंने उभरते क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं, भविष्य में मांग वाले कौशल और करियर निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि मजबूत पेशेवर संपर्क भी करियर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यार्थियों को अपने संपर्कों का दायरा बढ़ाने के साथ नए अवसरों की जानकारी हासिल करते रहना चाहिए। वैश्विक रोजगार बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए अपने कौशल को समय-समय पर निखारना जरूरी है। कार्यक्रम के प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने करियर और रोजगार से जुड़े सवाल पूछे। विशेषज्ञ ने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। संस्थान के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ उद्योगों की जरूरत के अनुरूप व्यावहारिक ज्ञान देना संस्थान की प्राथमिकता है। निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को रोजगार की नई संभावनाओं से परिचित कराने के साथ व्यक्तित्व विकास में भी सहायक हैं। विभागाध्यक्ष मोहम्मद जाहिद ने अतिथि वक्ता का आभार जताया।

सार्वजनिक सूचना

मैं श्रीकान्त सिंह पुत्र साहब सिंह निवासी गांव कंचनपुर पो. तेहरा आगरा सूचित करता हूँ कि मेरी G.N.M. General Nursing & Midwifery Diploma वर्ष 2013 का सर्टिफिकेट रास्ते में कहीं गिर गया है, जिस किसी को मिले सपंर्क करे - 8449568174

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

सीडीओ ने दो गोशालाओं का किया निरीक्षण, एक में मिली कीचड़

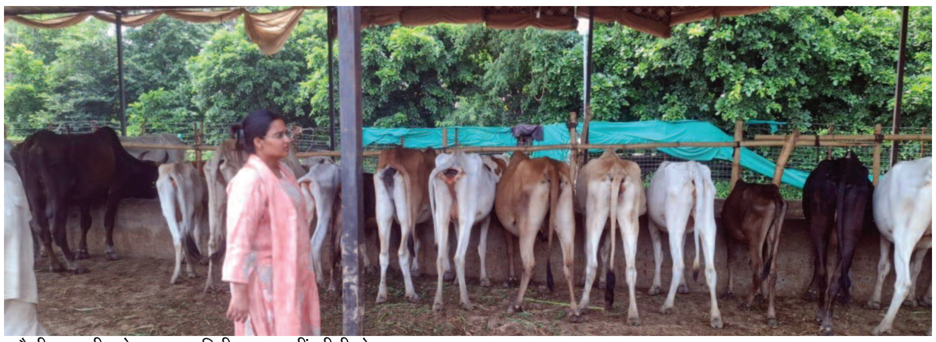

तरौली सुमाली गोशाला का निरीक्षण करतीं सीडीओ पूजा गुप्ता।

नौगांव गौशाला में गोवंश की संख्या बढ़ाने, साफ सफाई और स्वास्थ्य जांच के दिए निर्देश

तरौली सुमाली गोशाला में 159 गोवंश मिले संरक्षित कीचड़ हटाने के साथ सफाई के दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य विकास अधिकारी पूजा गुप्ता ने सोमवार को विकास खंड चौमुहां के नौगांव और तरौली सुमाली स्थित अस्थायी गो–आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गोवंश की संख्या बढ़ाने और कीचड़ साफ करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान गोशाला में करीब 80 गोवंश संरक्षित मिले। सीडीओ ने गोशाला संचालक के प्रतिनिधि को गोवंश की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने गोवंश के लिए चारे और पानी की व्यवस्था का भी जायजा लिया। गोशाला में पशुओं के खाने–पीने की पर्याप्त व्यवस्था मिली।

सीडीओ ने गोशाला परिसर में नियमित साफ–सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही गोवंश के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने और समय–समय पर पशुओं का चिकित्सीय परीक्षण कराने को कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और संचालक को गोशाला की व्यवस्थाओं में लगातार सुधार बनाए रखने के निर्देश दिए।

वहीं, सीडीओ पूजा गुप्ता ने तरौली सुमाली स्थित अस्थायी गो–आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में गोशाला में करीब 159 गोवंश संरक्षित मिले। पशुओं के लिए चारे और पानी की पर्याप्त व्यवस्था पाई गई। हालांकि गोशाला के एक हिस्से में काफी कीचड़ मिला। सीडीओ ने संचालक को तत्काल संबंधित स्थान पर मिट्टी आदि डलवाकर कीचड़ की समस्या दूर कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने गोशाला में नियमित साफ–सफाई रखने और गोवंश का समय–समय पर चिकित्सीय परीक्षण कराने को कहा। अधिकारियों को व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान गोशाला संचालक संस्था के प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान (प्रशासक) और गोशाला में कार्यरत देखभालकर्ता मौजूद रहे।

वृंदावन की सफाई और विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने पार्षदों के साथ की बैठक

सफाई व्यवस्था में तकनीक के इस्तेमाल पर दिया जोर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन नगर निगम की नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन, वृंदावन में वृंदावन जोन के पार्षदों के साथ बैठक की। बैठक में क्षेत्र की सफाई व्यवस्था, विकास कार्यों और जनसमस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। नगर आयुक्त ने पार्षदों से क्षेत्र की जरूरतों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर सुझाव भी लिए।

नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम की ओर से कराए जाने वाले विकास कार्य स्थायी और लंबे समय तक उपयोगी होने चाहिए, ताकि लोगों को उनका लाभ लगातार मिल सके। उन्होंने बताया कि तकनीक के माध्यम से सफाई व्यवस्था की निगरानी को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाएगा। शहर के सभी डलावघरों की तकनीकी माध्यम से निगरानी की जाएगी। वृंदावन के विभिन्न वार्डों में तैनात सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति फेस रिकॉग्निशन आधारित अटेंडेंस प्रणाली से दर्ज की जाएगी। इससे सफाई कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

नगर आयुक्त ने पार्षदों से वृंदावन की स्वच्छता को जन–आंदोलन बनाने में सहयोग की अपील की। बैठक में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक सहित नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

केआर गर्ल्स डिग्री कॉलेज में छात्राओं का ओरिएंटेशन कार्यक्रम संपन्न

ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य पल्लवी सिंह, डॉ.अनुपम मिश्रा, साथ में पूर्व सीडीओ आरएस गौतम।

यूनिक समय, मथुरा। केआर गर्ल्स डिग्री कॉलेज में बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नई छात्राओं को महाविद्यालय के शैक्षणिक माहौल, सुविधाओं और गतिविधियों से परिचित कराया गया। शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर पल्लवी सिंह ने दीप प्रज्वलन-माल्यार्पण करके किया। अतिथि के रूप में पूर्व सीडीओ आरएस गौतम, नीरज उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजन प्रोफेसर कविता कन्नौजिया रहे, संचालन डॉ. आम्रपाली और डॉ. अनुपम मिश्रा ने किया।

प्राचार्य पल्लवी सिंह ने छात्राओं का स्वागत करते हुए पढ़ाई के बारे में जानकारी दी। पूर्व सीडीओ आएएस गौतम ने छात्राओं को शैक्षणिक के महत्व के बारे में बताया। डॉ.अनुपम मिश्रा और डॉ.आम्रपाली ने कहा कि छात्राओं की हर समस्याओं को दूर किया जाएगा। छात्राओं से अनुशासन के साथ पढ़ाई करने और महाविद्यालय की गतिविधियों के बारे में बताया। संचालन करती कविता कन्नोोजिया ने भी छात्राओं से उनके विषयों से संबंधित बातचीत की और उन्हें पढ़ाई से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी। इस मौके पर समस्त स्टाफ और छात्राएं उपस्थिति रहीं।

श्राप के कारण घट रहा गोवर्धन पर्वत: आचार्य

भागवत कथा के दौरान राधा- कृष्ण के स्वरूपों के साथ महंत शिवराम और परीक्षित मक्खन सिंह आदि।

यूनिक समय, फरह। सोमवार को कस्बा के फराह देवी मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य राजकुमार सैथिया ने श्रद्धालुओं को गोवर्धन पर्वत से जुड़ी कथा सुनाई। कृष्ण की लीलाओं और गोवर्धन की महत्ता को सुनकर श्रद्धालु भक्ति में भाव–विभोर हो गए।

आचार्य राजकुमार सैथिया ने गोवर्धन पर्वत को लेकर ब्रज में अनेक धार्मिक मान्यताएं और पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। इन्हीं में एक कथा महर्षि पुलस्त्य ऋषि से जुड़ी है। एक समय पुलस्त्य ऋषि गोवर्धन पर्वत को काशी ले जाना चाहते थे। वह पर्वत को अपने साथ लेकर आगे बढ़ रहे थे। रास्ते में एक स्थान पर उन्हें लघुशंका लगी और उन्होंने गोवर्धन पर्वत को नीचे रख दिया। लौटने के बाद ऋषि ने पर्वत को दोबारा उठाने का प्रयास किया, लेकिन गोवर्धन वहीं स्थिर हो गया। काफी प्रयास के बाद भी जब पर्वत अपने स्थान से नहीं हिला तो ऋषि क्रोधित हो गए।

उन्होंने गोवर्धन को श्राप दिया कि वह प्रतिदिन धींरे–धींरे घटता रहेगा। ब्रज में प्रचलित धार्मिक विश्वास के अनुसार, इसी श्राप के कारण गोवर्धन पर्वत की ऊंचाई लगातार कम हो रही है। इस मौके पर शिवराम सारस्वत, लखन लाल अग्रवाल, मक्खन सिंह तरकर, ओम प्रकाश शर्मा कन्हैया शर्मा, कन्हैया लाल अग्रवाल, राजू सारस्वत, बच्चू सिंह, राहुल अन्य मौजूद है।

बाजना पुल पर कार को ट्रक ने मारी टक्कर

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली- आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाजना पुल पर आगे चलती कार में ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में ट्रक चालक कार को काफी दूरी तक खींचता हुआ ले गया। गनीमत रही कि किसी को कोई चोट नहीं आई। बताया गया कि आज दोपहर को दिल्ली से आगरा की ओर जाने वाले मार्ग पर बाजना पुल के समीप सामने चलती कार को पीछे से आते ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक कार को काफी दूरी तक खींचता हुआ ले गया। ट्रक के रुकने के बाद चालक वाहन को मौके पर छोड़ कर भाग गया। कार में सवार किसी को कोई चोट नहीं लगी। दुर्घटना के कारण कुछ समय तक यातायात प्रभावित हुआ, बाद में सब सामान्य हो गया। दुर्घटना का पता लगाने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

दुवासू के सात विद्यार्थियों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण में चयन

हैदराबाद में माइक्रोबियल कल्चर तकनीक का ले रहे व्यावहारिक प्रशिक्षण

व्यावहारिक प्रशिक्षण को हैदराबाद पहुंचे दुवासू के विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान (दुवासू) के कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस के बीएफएससी तृतीय वर्ष के सात विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थी 10 अगस्त को हैदराबाद पहुंचकर प्रशिक्षण में शामिल हो गए।

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एनएफडीबी) के बाह्य वित्तपोषित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 10 से 14 अगस्त तक एक्वाटिक एनिमल हेल्थ एंड क्वालिटी टेस्टिंग लेबोरेटरी में किया जा रहा है। प्रशिक्षण का मुख्य विषय माइक्रोबियल कल्चर तकनीक है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को माइक्रोबायोलॉजी, जलीय जीवों के स्वास्थ्य, रोग निदान, मत्स्य और मत्स्य उत्पादों की गुणवत्ता जांच से जुड़ी आधुनिक प्रयोगशाला तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों को प्रयोगशाला कार्य का प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा और उनकी तकनीकी दक्षता बढ़ेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. अभिजीत मित्रा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में प्रशिक्षण विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल को निखारने का महत्वपूर्ण अवसर है। महाविद्यालय के डीन और शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, अनुसंधान और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने में लाभ मिलेगा।

रुपये देकर बन जाओ वीआईपी और करो दर्शन

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के वीआईपी कठघरे में पहुंचकर दर्शन करने की श्रद्धालुओं में लालसा बढ़ती जा रही है। हालांकि वीआईपी कठघरे में खड़े होकर दर्शन करने का निर्धारित शुल्क है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कितने श्रद्धालु शुल्क देकर वीआईपी बनते हैं।

मंदिर के आसपास या अंदर ही कुछ ऐसे युवक श्रद्धालुओं के बीच मंडराते दिखाई देते हैं, जो श्रद्धालुओं को वीआईपी दर्शन कराने के लिए अपने जाल में फंसाते नजर आते हैं। उनसे रुपये फिक्स कर लेते हैं। फिर वे उनको वीआईपी कठघरे तक ले जाते हैं।

यहां फलां गोस्वामी के नाम का जिक्रकर श्रद्धालुओं को वीआईपी कठघरे तक प्रवेश करा देते हैं। कहा जाता है कि मंदिर परिसर में लगी तीसरी आंख में सब कुछ कैद हो जाता है, लेकिन प्रबंध तंत्र कोई कदम नहीं उठाता है।

इस तरह से रोजाना काफी बड़ी संख्या में श्रद्धालु वीआईपी कठघरे से दर्शन करते हैं। अब कई श्रद्धालु वीआईपी दर्शन को लेकर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते नजर आते हैं। उनका कहना होता है कि वह भी श्रद्धालु हैं। यहां बड़ी गड़बड़झाला नजर आती है।

उनको दर्शन करने के लिए धक्का खाने पड़ते हैं। वीआईपी पांच नंबर गेट से प्रवेश कराने के लिए श्रद्धालु युवकों की बातों में फंस जाते हैं। वह उनसे रुपये ले लेते हैं और फिर वह युवक गेट नंबर पांच के बाहर छोड़कर रफूचक्कर हो जाते हैं।

लोगों का कहना है कि मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों को ऐसे युवकों पर नजर रखने के लिए एक टीम बनानी चाहिए।

सुविचार

खामोशियां भी दिल की सबसे गहरी बातें कहती हैं, उन्हें महसूस करना सीखिए हर दिन।

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी	08:01-04:54 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पुर्नवसु	12:26-10:09 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:51 AM	चन्द्रोदय	03:52 AM
सूर्यास्त		6:57 PM	चंद्रास्त	06:08 PM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	कर्क राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:15-05:43
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		03:40 PM: 05:18 PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः कल आत्मविश्वास बढ़ेगा, कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में सुखद माहौल रहेगा, आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे।

वृषभः कल मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, रुका हुआ काम पूरा होगा। व्यापार में लाभ और परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुनः कल नए संपर्क लाभदायक साबित होंगे, नौकरी में तरक्की के संकेत हैं। धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें, सफलता मिलेगी।

कर्कः कल मानसिक शांति बनी रहेगी, पारिवारिक विवाद दूर होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत सराही जाएगी।

सिंहः कल महत्वपूर्ण निर्णय लेने का अवसर मिलेगा, आत्मविश्वास बढ़ेगा। नौकरी और व्यापार में सफलता मिलेगी।

कन्याः कल काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन मेहनत सफल होगी। धन लाभ के योग हैं, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुलाः कल नए अवसर सामने आएंगे, कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा, धन लाभ होगा।

वृश्चिकः कल योजनाओं में सफलता मिलेगी, पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। व्यापार में लाभ होगा।

धनुः कल भाग्य आपका साथ देगा, नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

मकरः कल मेहनत के बावजूद परिणाम थोड़ा देर से मिलेगा। कार्यक्षेत्र में धैर्य रखें, परिवार का सहयोग मिलेगा, अनावश्यक खर्च से बचें।

कुंभः कल रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, नई योजना शुरू कर सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मीनः कल दिन सकारात्मक रहेगा, रुके कार्य पूरे होंगे। परिवार में खुशियां आएंगी, करियर में प्रगति होगी और धन लाभ मिलने की संभावना।

चेहरे की बनावट बताएगी स्वभाव, करियर और किस्मत के राज

गोल चेहरे वाले लोग होते हैं मिलनसार और भावुक

अंडाकार चेहरे वाले लोग होते हैं रचनात्मक और संतुलित

यूनिक समय, मथुरा। सामुद्रिक शास्त्र में शरीर के अलग-अलग अंगों की बनावट के आधार पर व्यक्ति के स्वभाव और व्यक्तित्व से जुड़े कई संकेत बताए गए हैं। इसी तरह चेहरे का आकार भी व्यक्ति की सोच, व्यवहार और जीवन से जुड़े पहलुओं के बारे में संकेत देता है। मान्यता है कि चेहरे की बनावट देखकर व्यक्ति के स्वभाव के साथ उसके करियर की प्रवृत्ति और जीवन में सफलता के बारे में भी अनुमान लगाया जा सकता है। आइए जानते हैं अलग-अलग चेहरे की आकृतियों के बारे में सामुद्रिक शास्त्र क्या कहता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार गोल चेहरे और भरे हुए गाल वाले लोग सामान्यतः भावुक, दयालु, स्नेही और मिलनसार स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग दूसरों की सहायता करने में आगे रहते हैं और रिश्तों को महत्व देते हैं। मान्यता है कि शिक्षा, कला, मीडिया, आतिथ्य और जनसंपर्क जैसे क्षेत्रों में इन्हें सफलता मिल सकती है। आर्थिक मामलों में भी इन्हें भाग्यशाली माना जाता है। वहीं चौकोर चेहरे वाले लोगों का माथा, गाल और जबड़े का आकार लगभग समान माना जाता है। ऐसे लोग व्यावहारिक, अनुशासित, दृढ़ इच्छाशक्ति वाले और निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। इनमें नेतृत्व क्षमता अच्छी मानी जाती है। प्रशासन, सेना, राजनीति, व्यापार और तकनीकी क्षेत्रों में सफलता मिलने की मान्यता है। अंडाकार चेहरे वाले लोगों को सामुद्रिक शास्त्र में बौद्धिक, रचनात्मक और संतुलित स्वभाव का माना गया है। ऐसे लोग परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने में सक्षम होते हैं। डिजाइन, लेखन, अभिनय, फैशन, शोध और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इनके सफल होने की मान्यता है। चौड़े चेहरे वाले लोगों को सरल, प्रसन्नचित्त और छल-कपट से दूर रहने वाला बताया गया है। ऐसे लोग मधुरभाषी होते हैं और दूसरों का मार्गदर्शन करने में रुचि रखते हैं। शिक्षण, लेखन और सलाहकार जैसे कार्य इनके लिए अनुकूल माने जाते हैं।

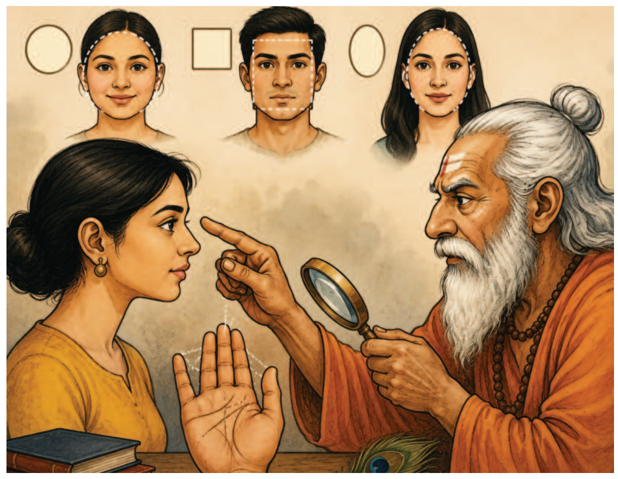

वहीं हार्ट शेप चेहरे वाले लोग आकर्षक, भावुक, समझदार और रचनात्मक माने जाते हैं। इन्हें रिश्तों को गंभीरता से निभाने वाला बताया गया है। संगीत, कला और रचनात्मक क्षेत्रों में इनकी रुचि अधिक हो सकती है।

हालांकि चेहरे के आकार से स्वभाव या भविष्य तय होने की बातें सामुद्रिक शास्त्र की मान्यताओं पर आधारित हैं। इन्हें वैज्ञानिक भविष्यवाणी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

बारिश का पानी बताएगा धन, सेहत और मन का हाल

आर्थिक परेशानी दूर करने को करें यह आसान उपाय

स्वास्थ्य और मानसिक शांति के लिए अपनाएं यह उपाय

यूनिक समय, मथुरा। मानसून में बारिश का पानी जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं वास्तु और ज्योतिष की मान्यताओं में इसे कई उपायों के लिए उपयोगी माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बारिश के स्वच्छ पानी से किए गए कुछ उपाय आर्थिक परेशानियों, स्वास्थ्य संबंधी चिंता और मानसिक अशांति से राहत दिलाने में सहायक हो सकते हैं। हालांकि, इन उपायों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

मान्यता के अनुसार, आर्थिक तंगी से परेशान लोग बारिश का साफ पानी मिट्टी के घड़े या तांबे के बर्तन में एकत्र कर सकते हैं। इसमें एक चुटकी

हल्दी मिलाकर घर की उत्तर दिशा में रखने की सलाह दी जाती है।

इसके बाद 11 दिनों तक सुबह-शाम इसके पास दीपक जलाने की मान्यता है। इसे धन और समृद्धि से जुड़ा उपाय माना जाता है।

परिवार में किसी व्यक्ति की तबीयत लंबे समय से खराब हो तो धार्मिक मान्यता के अनुसार बारिश के पानी को तांबे या स्टील के बर्तन में रखकर भगवान शिव की पूजा की जा सकती है। इसके बाद इस जल को शिवलिंग पर अर्पित कर महामृत्युंजय मंत्र का 108 बार जाप करने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि इससे मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। हालांकि बीमारी की स्थिति में चिकित्सकीय सलाह और उपचार जरूरी है। ज्योतिष में चंद्रमा को मन और भावनाओं से जोड़ा जाता है। मान्यता के अनुसार बारिश के पानी को हरे रंग की कांच की बोतल में भरकर शांत स्थान पर रखने से चंद्रमा मजबूत होता है। इन सभी उपायों में साफ और स्वच्छ बारिश के पानी का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चाणक्य नीति में छह संकट बताते हैं सच्चे मित्र की पहचान

बीमारी और संकट में साथ दे वही है सच्चा मित्र

कानूनी परेशानी और अंतिम समय में भी साथ दे

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में जीवन, रिश्तों और व्यवहार को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें बताई हैं। उनकी एक नीति सच्चे मित्र की पहचान को लेकर है। चाणक्य के अनुसार, दोस्ती की असली परीक्षा सुख में नहीं, बल्कि मुश्किल समय में होती है। जो व्यक्ति संकट के दौरान बिना स्वार्थ साथ खड़ा रहे, वही सच्चा मित्र माना जाता है।

चाणक्य नीति के प्रसिद्ध श्लोक में कहा गया है-"आतुरे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रु-संकटे।" इसका आशय है कि बीमारी, बड़े संकट, आर्थिक तंगी या विपरीत परिस्थितियों में जो व्यक्ति साथ रहे, वही अपना है। अच्छे समय में साथ रहने वाले लोगों की संख्या अधिक हो सकती है, लेकिन कठिन दौर में साथ निभाने वाले ही वास्तविक मित्र होते हैं। चाणक्य के अनुसार, शत्रु से संकट के समय मदद करने वाला, कानूनी या राजकीय मामले में साथ देने वाला और परिवार के अंतिम संस्कार जैसे कठिन समय में मौजूद रहने वाला व्यक्ति सच्चा बंधु है। नीति का संदेश है कि मित्रता केवल सुख बांटने का रिश्ता नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में जिम्मेदारी निभाने का नाम भी है। ऐसे समय में जो व्यक्ति साथ छोड़ दे, उसकी मित्रता पर भरोसा करने से पहले विचार करना चाहिए।

शिरडी की गलियों में इन घरों से साईं बाबा लेते थे भिक्षा

बाबा शिरडी के चुनिंदा घरों में भिक्षा मांगते थे रोज

भिक्षा में मिला भोजन बाबा सबके साथ बांटते थे

यूनिक समय, मथुरा। साईं बाबा का नाम आते ही महाराष्ट्र के शिरडी की तस्वीर सामने आती है। शिरडी में ही उन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा बिताया और लोगों को प्रेम, सब्र, सेवा, समानता और इंसानियत का संदेश दिया। उनके जीवन से जुड़ी कई परंपराएं आज भी भक्तों के बीच श्रद्धा

का विषय हैं। इनमें घर-घर जाकर भिक्षा मांगने की परंपरा विशेष रूप से उ ल्लेखनीय है।

साईं बाबा किसी दूसरे गांव में भिक्षा मांगने नहीं जाते थे। वे शिरडी की गलियों में स्थित कुछ निश्चित परिवारों के घर पहुंचते थे।

श्री साईं बाबा संस्थान ट्रस्ट से जुड़ी जानकारी के अनुसार, बाबा वामन गोंडकर, वामन सखाराम शेल्के, बैजाबाई और गणपत कोटे पाटिल के परिवार, बायाजी आप्पा कोटे पाटिल तथा नंदराम मारवाड़ी के घरों से भिक्षा लेते थे।

बाबा साधारण तरीके से घर के दरवाजे पर खड़े होकर भिक्षा मांगते थे। किसी घर से रोटी मिलती तो कहीं से सब्जी या अन्य खाद्य सामग्री दी जाती। उनके लिए भिक्षा मांगना केवल भोजन प्राप्त करने का माध्यम नहीं था, बल्कि लोगों को सेवा और अहंकार से दूर रहने का संदेश देने का एक तरीका भी माना जाता है।

बाबा को भिक्षा में जो भोजन मिलता, उसे वे अपने लिए जमा नहीं करते थे। द्वारकामाई पहुंचने के बाद अलग-अलग घरों से मिला भोजन एक बड़े बर्तन में डाल दिया जाता था। वहां जरूरतमंद लोग और जीव-जंतु भी भोजन कर सकते थे। बाबा स्वयं भी उसी भोजन में से थोड़ा ग्रहण करते थे।

भिक्षा से जुड़ा बैजाबाई का प्रसंग भी काफी प्रसिद्ध है। बताया जाता है कि वह बाबा के प्रति गहरी श्रद्धा रखती थीं और उनके लिए भोजन लेकर उन्हें खोजने तक निकल जाती थीं। बाद में जब बाबा नियमित रूप से भिक्षा के लिए घरों पर जाने लगे, तो वे बैजाबाई के घर भी पहुंचते थे।

साईं बाबा की यह परंपरा आज भी शिरडी में उनकी सादगी और सेवा भावना की याद दिलाती है। उनके जीवन का संदेश यही था कि भोजन हो या प्रेम, उसे अकेले रखने के बजाय दूसरों के साथ बांटना चाहिए।

सम्पादकीय

दूध कम, केमिकल ज्यादा, फिर भी धंधा मलाईदार

उत्तर प्रदेश में अब दूध की पहचान उसकी सफेदी से नहीं, बल्कि इस सवाल से होनी चाहिए कि आखिर उसमें मिला क्या है। सामने आई एक पड़ताल में यूपी से सटे राजस्थान और मध्य प्रदेश के इलाकों में कथित सिंथेटिक दूध के कारोबार का जो चेहरा सामने आया है, वह चिंता से ज्यादा शर्मिंदगी पैदा करता है। दूध बनाने के नाम पर पानी, तेल, पाउडर और कथित तौर पर डिटर्जेंट जैसे पदार्थ मिलाकर उसकी मात्रा कई गुना बढ़ाने का खेल चल रहा है। यानी गाय-भैंस कम और रसायन ज्यादा-फिर भी बाजार में इसे दूध कहकर बेच दिया जाता है।

पवन गौतम
संपादक

व्यंग्य देखिए कि देश में दूध की मांग बढ़ रही है, लेकिन कुछ कारोबारियों ने शायद गाय पालने की जगह रसायनशाला खोलना ज्यादा आसान समझ लिया है। पांच लीटर असली दूध को कई गुना बढ़ाकर बेचने का गणित अगर सच है तो मुनाफा कारोबारियों का और नुकसान सीधे उपभोक्ता की सेहत का है।

यूपी के लिए यह खतरा और गंभीर है। आगरा, मथुरा, अलीगढ़, बुलंदशहर, मेरठ, हापुड़ और नोएडा जैसे बड़े बाजारों तक मिलावटी दूध पहुंचने की आशंका का मतलब है कि इसका असर केवल किसी एक जिले तक सीमित नहीं रह सकता। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए ऐसी मिलावट गंभीर चिंता का विषय है। सबसे बड़ा सवाल कार्रवाई पर है। अगर सीमावर्ती इलाकों में बड़े पैमाने पर ऐसा कारोबार होने की शिकायतें लगातार सामने आती हैं, तो फिर छापे की सूचना पहले कारोबारियों तक कैसे पहुंच जाती है? कार्रवाई के बाद कुछ लीटर दूध पकड़कर फाइल बंद कर देना आसान है, लेकिन असली जरूरत उस पूरे नेटवर्क तक पहुंचने की है जो उत्पादन, परिवहन और बिक्री की कड़ियों को जोड़ता है। सरकार को दूध की जांच को सिर्फ त्योहारों और विशेष अभियानों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। सीमावर्ती जिलों में स्थायी निगरानी, अचानक नमूने, आधुनिक प्रयोगशालाएं और दोषियों पर कठोर कार्रवाई जरूरी है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

आखिर दूध वह चीज है जिसे भारतीय परिवार भरोसे से बच्चों के गिलास में डालता है। अगर उसी गिलास में दूध की जगह रसायनों का कारोबार पहुंच रहा है, तो यह केवल मिलावट नहीं, भरोसे में मिलावट है। यूपी को तय करना होगा कि उसकी पहचान दूध की नदियों से होगी या डिटर्जेंट के झाग से।

नजरिया

चेहरा असली, वीडियो नकली डीपफेक के दौर में सच कैसे बचेगा?

बोध प्रकाश सगुणी

तकनीक ने इंसान की जिंदगी को आसान बनाया है, लेकिन अब वही तकनीक सच और झूठ के बीच की रेखा मिटाने लगी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ के दौर में किसी व्यक्ति की कुछ तस्वीरें और कुछ सेकंड की आवाज लेकर ऐसा वीडियो तैयार किया जा सकता है, जो देखने और सुनने में पूरी तरह वास्तविक लगे। यही डीपफेक की सबसे बड़ी चुनौती है। समस्या केवल इतनी नहीं कि किसी का नकली वीडियो बनाया जा रहा है, बल्कि असली संकट यह है कि आने वाले समय में लोगों को वास्तविक वीडियो पर भी भरोसा करना मुश्किल हो सकता है। जब समाज में सत्य की विश्वसनीयता ही कमजोर पड़ने लगे, तब इसका असर व्यक्ति से लेकर लोकतंत्र तक पर पड़ता है।

हाल के दिनों में नेताओं और सार्वजनिक हस्तियों के डीपफेक वीडियो सामने आना इस खतरे की गंभीरता को बताता है। किसी नेता के मुंह से ऐसी बात कहलवा देना, जो उसने कभी कही ही नहीं, राजनीतिक माहौल को प्रभावित कर सकता है। चुनाव के समय ऐसा वीडियो मतदाताओं की राय बदलने, सामाजिक तनाव बढ़ाने और संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने का हथियार बन सकता है। यही कारण है कि डीपफेक को महज तकनीकी शरारत या सोशल मीडिया की समस्या मानना बड़ी भूल होगी।

सबसे चिंताजनक पहलू इसका महिलाओं के खिलाफ इस्तेमाल है। इंटरनेट पर उपलब्ध किसी सामान्य तस्वीर को उठाकर एआइ की मदद से अश्लील वीडियो तैयार करना अब बेहद आसान होता जा रहा है। ऐसे वीडियो के जरिए महिलाओं को ब्लैकमेल किया जाता है, उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया जाता है और उन्हें मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। पीड़ित व्यक्ति के लिए यह समझना भी कठिन होता है कि उसने जो किया ही नहीं, उसके लिए समाज और परिवार के सामने सफाई कैसे दे। इस तरह डीपफेक डिजिटल हिंसा का नया और बेहद खतरनाक रूप बन रहा है।

भारत में इस खतरे की गंभीरता इसलिए भी अधिक है क्योंकि करोड़ों लोग रोजाना सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। वाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स जैसे मंचों पर कोई सामग्री कुछ ही मिनटों में हजारों-लाखों लोगों तक पहुंच सकती है। सनसनीखेज सामग्री को अधिक प्रतिक्रिया मिलने के कारण उसके तेजी से फैलने की संभावना भी बढ़ जाती है। जब तक पीड़ित व्यक्ति शिकायत करता है और संबंधित मंच कार्रवाई करता है, तब तक वीडियो कई अन्य मंचों और समूहों में पहुंच चुका होता है। हटाई गई सामग्री भी दूसरी जगह फिर सामने आ जाती है।

यहां सवाल केवल सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी का नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल संप्रभुता का भी है। किसी देश की डिजिटल संप्रभुता का अर्थ है कि वह अपने नागरिकों के डाटा, डिजिटल ढांचे और सूचना के प्रवाह को लेकर प्रभावी कानूनी और नियामकीय नियंत्रण रखे। भारत में डिजिटल मंचों का बड़ा हिस्सा विदेशी कंपनियों के स्वामित्व में है।

ऐसे में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि भारत के कानून, न्यायिक आदेश और नागरिकों के अधिकार किसी कंपनी की सुविधा या व्यावसायिक हितों से ऊपर रहें। भारत के पास सूचना प्रौद्योगिकी कानून, भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी नियमों जैसे कानूनी प्रावधान हैं, जिनके तहत फर्जीवाड़े, पहचान की चोरी, अश्लील सामग्री, मानहानि और साइबर अपराधों पर कार्रवाई की जा सकती है। मगर एआइ के तेजी से बदलते स्वरूप को देखते हुए इन प्रावधानों से हर स्थिति का सामना करना आसान नहीं है। डीपफेक बनाने, आवाज की नकल करने और उसे बड़े पैमाने पर फैलाने की प्रक्रिया पारंपरिक साइबर अपराधों से अलग और अधिक जटिल है। इसलिए अब समय आ गया है कि भारत व्यापक एआइ विनियमन की दिशा में ठोस कदम उठाए। एक स्पष्ट कानून में यह तय होना चाहिए कि किसी व्यक्ति की बिना सहमति आवाज, चेहरा या

पहचान का दुरुपयोग कर डीपफेक तैयार करना और उसे दुर्भावनापूर्ण तरीके से प्रसारित करना गंभीर अपराध माना जाएगा। चुनाव, राष्ट्रीय सुरक्षा, सांप्रदायिक सौहार्द और महिलाओं की गरिमा से जुड़े मामलों में शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेष साइबर अदालतें और प्रशिक्षित जांच दल इस प्रक्रिया को गति दे सकते हैं। लेकिन केवल कानून से यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती। तकनीक का मुकाबला तकनीक से ही करना होगा। एआइ से तैयार सामग्री की पहचान के लिए विश्वसनीय और स्वदेशी तकनीक विकसित करनी होगी। भारत की भाषाई और क्षेत्रीय विविधता को ध्यान में रखते हुए ऐसे डीपफेक पहचान तंत्र विकसित किए जाने चाहिए, जो अलग-अलग भाषाओं, बोलियों, आवाजों और वीडियो की विशेषताओं को समझ सकें। प्रत्येक राज्य में अत्याधुनिक डिजिटल फोरेंसिक सुविधाएं उपलब्ध कराना भी जरूरी है। एआइ से तैयार सामग्री पर डिजिटल वॉटरमार्क या अन्य तकनीकी पहचान चिन्ह लगाने की व्यवस्था भी उपयोगी हो सकती है। इससे जांच एजेंसियों और आम लोगों को सामग्री की वास्तविकता समझने में मदद मिलेगी। सोशल मीडिया मंचों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। संवेदनशील मामलों में शिकायत मिलने के बाद सामग्री की जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की जा सकती है। हालांकि इस पूरी प्रक्रिया में एक सावधानी सबसे जरूरी है। डीपफेक विरोधी कानून अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हथियार नहीं बनना चाहिए। राजनीतिक व्यंग्य, पैरोडी, कार्टून, कॉमिडी और रचनात्मक एआइ सामग्री लोकतांत्रिक समाज का हिस्सा हैं। सरकार की आलोचना को रोकने या पत्रकारों और राजनीतिक विरोधियों की आवाज दबाने के लिए एआइ कानून का इस्तेमाल लोकतंत्र के लिए नया खतरा पैदा कर सकता है। इसलिए कानून का निशाना दुर्भावनापूर्ण धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, अश्लीलता, आपराधिक दुष्प्रचार और राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री होनी चाहिए, न कि रचनात्मक अभिव्यक्ति।

सबसे बड़ा हथियार आखिरकार जागरूक नागरिक ही हैं। स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल तथा मीडिया साक्षरता को बढ़ावा देना होगा। लोगों को यह समझना होगा कि इंटरनेट पर दिखाई देने वाला हर वीडियो सच नहीं होता। सनसनीखेज सामग्री को आगे बढ़ाने से पहले उसकी पुष्टि करना अब केवल अच्छी आदत नहीं, बल्कि डिजिटल जिम्मेदारी है। डीपफेक का खतरा आने वाले वर्षों में और बढ़ेगा। इसलिए कार्रवाई तब नहीं होनी चाहिए, जब नुकसान हो चुका हो। भारत को कानून, तकनीक, डिजिटल शिक्षा और प्लेटफॉर्म जवाबदेही-चारों मोर्चों पर एक साथ काम करना होगा। आखिर सवाल केवल नकली वीडियो रोकने का नहीं है। सवाल यह है कि डिजिटल युग में सच की पहचान और लोकतंत्र पर लोगों का भरोसा कैसे बचाया जाए।

विचार विंडो

बचत बढ़ी, फिर भी कर्ज ने परिवारों की उड़ाई नींद

राम प्रकाश शर्मा

भारतीय परिवारों की वित्तीय तस्वीर इन दिनों एक ऐसे विरोधाभास को सामने ला रही है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। एक ओर परिवार शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड जैसे अपेक्षाकृत जोखिम वाले निवेश से कुछ दूरी बनाकर नकदी, बैंक जमा, छोटी बचत, पेंशन और भविष्य निधि जैसे सुरक्षित विकल्पों की ओर लौट रहे हैं। दूसरी ओर कर्ज लेने की रफ्तार इतनी तेज हो गई है कि बढ़ती बचत का बड़ा हिस्सा उधारी के दबाव में दबता नजर आ रहा है। यह स्थिति केवल निवेश के बदलते तौर-तरीकों की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों की आर्थिक चिंता और भविष्य को लेकर बढ़ती असुरक्षा का संकेत भी है।

रिजर्व बैंक से संबद्ध उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि वित्त वर्ष 2025-26 में परिवारों का वित्तीय निवेश 12.9 प्रतिशत बढ़कर 42.89 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। पहली नजर में यह आंकड़ा उत्साहजनक लगता है, लेकिन इसी अवधि में वित्तीय देनदारियां 36.3 प्रतिशत बढ़कर 21.45 लाख करोड़ रुपये हो गईं। यानी परिवारों की उधारी जिस गति से बढ़ी, वह उनके वित्तीय निवेश की वृद्धि से लगभग तीन गुना रही। यही वह बिंदु है, जहां चिंता शुरू होती है। यदि आय बढ़ने के बजाय कर्ज बढ़ रहा हो और बचत की गति पीछे छूट रही हो तो केवल निवेश की कुल राशि बढ़ने से परिवार आर्थिक रूप से सुरक्षित नहीं माने जा सकते।

कोरोना महामारी के बाद भारतीय परिवारों में पूंजी बाजार के प्रति आकर्षण तेजी से बढ़ा था। म्यूचुअल फंड और शेयरों में घरेलू निवेश 2021-22 में 2.28 लाख करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर 6.84 लाख करोड़ रुपये हो गया। लेकिन 2025-26 में यह घटकर 5.68 लाख करोड़ रुपये रह गया। करीब 17 प्रतिशत की यह गिरावट बताती है कि परिवारों ने जोखिम लेने में कुछ सावधानी बरती है। हालांकि इसे बाजार से पूरी तरह मोहभंग कहना भी जल्दबाजी होगी। मौजूदा निवेश अब भी 2021-22 की तुलना में लगभग ढाई गुना है।

सबसे दिलचस्प बदलाव नकदी और सुरक्षित साधनों में दिखाई देता है। परिवारों के पास नकदी 2.09 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 4.15 लाख करोड़ रुपये हो गई। बैंक जमा 12.55 लाख करोड़ से बढ़कर 15.32 लाख करोड़ रुपये और छोटी बचत 2.33 लाख करोड़ से बढ़कर 3.45 लाख करोड़ रुपये हो गई। पेंशन तथा भविष्य निधि में निवेश भी 7.88 लाख करोड़ से बढ़कर 8.69 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। इसके विपरीत जीवन बीमा में निवेश 6.30 लाख करोड़ से घटकर 5.62 लाख करोड़ रुपये रह गया।

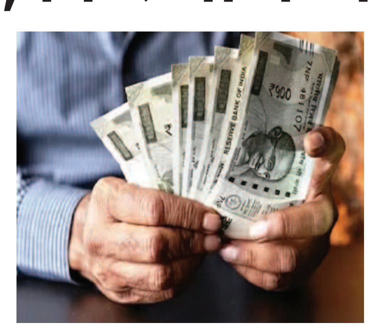

सुरक्षित विकल्पों की ओर यह रुझान अपने आप में खराब नहीं है। हर परिवार की जोखिम उठाने की क्षमता समान नहीं होती। उम्र, आय, बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने की योजना, सेवानिवृत्ति और आपातकालीन जरूरतों के आधार पर निवेश की रणनीति अलग होनी चाहिए। समस्या तब पैदा होती है, जब सुरक्षा के नाम पर निवेश तो सुरक्षित साधनों में किया जाए, लेकिन रोजमर्रा के खर्च, शिक्षा, इलाज या दूसरी जरूरतों के लिए महंगा कर्ज लेना पड़े।

नकदी बढ़ने को भी आर्थिक मजबूती का सीधा प्रमाण नहीं माना जा सकता। यह बाजार में अस्थिरता और भू-राजनीतिक अनिश्चितता से बचने की कोशिश हो सकती है। लेकिन यह भविष्य की आय को लेकर आशंका और अचानक आने वाले खर्चों के डर का संकेत भी हो सकती है। ऐसे समय में परिवार अधिक तरल धन अपने पास रखना चाहते हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें निवेश तोड़ना न पड़े। लेकिन यदि इसी दौरान कर्ज लगातार बढ़ता जाए तो नकदी का यह सुरक्षा कवच कमजोर साबित हो सकता है।

वित्त वर्ष 2025-26 में नई वित्तीय देनदारियां 21.45 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचना सबसे गंभीर संकेत है। बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से उधारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कर्ज का इस्तेमाल घर, वाहन या उत्पादक संपत्ति खरीदने के लिए हुआ है तो उसे अलग नजर से देखा जा सकता है। लेकिन यदि उधारी रोजमर्रा की जरूरतों, पुराने कर्ज की अदायगी या आय और खर्च के बीच बढ़ते अंतर को भरने के लिए हो रही है, तो यह परिवारों के लिए लंबी अवधि में बड़ा जोखिम बन सकती है।

सकल वित्तीय निवेश और नई देनदारियों के बीच अंतर को देखें तो 2024-25 में शुद्ध वित्तीय बचत करीब 22.25 लाख करोड़ रुपये थी, जो 2025-26 में घटकर लगभग 21.44 लाख करोड़ रुपये रह गई। यानी परिवार बचत कर रहे हैं, लेकिन उनकी उधारी उससे तेज बढ़ रही है। यही असली चिंता है। आर्थिक सुरक्षा केवल बैंक खाते में जमा रकम या निवेश की कुल राशि से तय नहीं होती, बल्कि यह भी देखना जरूरी है कि उस परिवार पर कितना कर्ज है और उसकी मासिक आय का कितना हिस्सा किस्तों में जा रहा है।

नीति-निर्माताओं के लिए भी यह समय चेतावनी का है। कर्ज की आसान उपलब्धता आर्थिक गतिविधियों को गति दे सकती है, लेकिन अत्यधिक घरेलू ऋण भविष्य में खपत और बचत दोनों पर दबाव डाल सकता है। परिवारों के स्तर पर भी वित्तीय अनुशासन जरूरी है। आपात निधि, पर्याप्त बीमा, नियमित बचत और आय के अनुरूप कर्ज-इन चारों के बीच संतुलन ही वास्तविक वित्तीय सुरक्षा दे सकता है।

बाजार में जोखिम लेना गलत नहीं और सुरक्षित निवेश चुनना भी गलत नहीं। असली चुनौती दोनों के बीच संतुलन बनाने की है। परिवारों को अपनी आय और जरूरतों के हिसाब से निवेश करना होगा तथा कर्ज को आय का स्थायी सहारा बनने से रोकना होगा। क्योंकि ऐसी आर्थिक सुरक्षा का कोई अर्थ नहीं, जिसमें बचत का खाता बढ़ता रहे और साथ ही कर्ज का बोझ भी लगातार भारी होता जाए।

टोबी ने छह गेंदों पर छह छक्के जड़कर मचाया धमाल

अल्बर्ट ने 37 गेंदों में बनाए ताबड़तोड़ 86 रन

ससेक्स को 51 रन से हराकर हैम्पशायर हुआ मजबूत

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड के वनडे कप में हैम्पशायर के बल्लेबाज टोबी अल्बर्ट ने तूफानी पारी खेलकर मुकाबले का रुख बदल दिया। उन्होंने ससेक्स के खिलाफ सिर्फ 37 गेंदों में 86 रन बनाए। इस दौरान अल्बर्ट ने लगातार छह गेंदों पर छह छक्के जड़े। हालांकि ये छक्के दो अलग-अलग ओवरों में आए, इसलिए एक ओवर में छह छक्कों का रिकॉर्ड नहीं बन सका।

हैम्पशायर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 383 रन बनाए। जवाब में ससेक्स की टीम 332 रन पर सिमट गई और हैम्पशायर ने मुकाबला 51 रन से जीत लिया। अल्बर्ट ने पारी में पांच चौके और आठ छक्के लगाए। उन्होंने पहले ओवर में दो छक्के जड़े और अगले ओवर में लगातार चार गेंदों को छक्के के लिए भेज दिया। उनका स्ट्राइक रेट 232 का रहा।

इससे पहले हैम्पशायर के ओपनर अली और 18 वर्षीय बेन मेयस ने शतक लगाए। दोनों ने 225 रन की साझेदारी की। ऑर ने 105 और मेयस ने 109 रन बनाए। 383 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, ससेक्स के चार्ली टियर ने 111 रन और जैक लीनिंग ने 92 रन बनाए, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

ससेक्स की सात मैचों में यह छठी हार है। वहीं हैम्पशायर की यह चौथी जीत रही, जिससे उसकी नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें मजबूत हुई हैं।

निर्देशक शकील नूरानी दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार

स्क्रिप्ट पढ़ने बुलाया शोषण का लगा आरोप

पुलिस ने फार्महाउस से पकड़ा, कोर्ट ने दी हिरासत

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'जोरू का गुलाम' के निर्देशक शकील नूरानी को एक अभिनेत्री की शिकायत पर यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया है। 73 वर्षीय नूरानी पर 33 वर्षीय अभिनेत्री ने वर्ष 2016 में कथित यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने उन्हें सातारा जिले के मेधा स्थित एक फार्महाउस से पकड़ा।

पुलिस शिकायत के अनुसार, अभिनेत्री की नूरानी से मुलाकात 2016 में एक कार्यक्रम के दौरान हुई थी। इसके बाद उन्हें एक फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए मालवानी स्थित घर बुलाया गया। आरोप है कि वहां उन्हें पेय पदार्थ दिया गया, जिसे पीने के बाद वह बेहोश हो गईं। अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि होश आने पर उन्हें कथित वीडियो दिखाकर धमकाया गया और कई बार यौन शोषण किया गया।

एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने नूरानी की तलाश शुरू की। पुलिस के मुताबिक, वह करीब 40 दिनों से फरार थे। तकनीकी जानकारी के आधार पर उन्हें सातारा से गिरफ्तार किया गया। शनिवार को अदालत में पेश करने के बाद उन्हें 12 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। नूरानी के वकील ने आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि उनके मुवक्किल को फंसाया गया है। मामले की जांच जारी है।

वीवीएस लक्ष्मण ने ठुकराया चीफ सिलेक्टर पद, अगरकर बने रहेंगे

अगरकर की जगह लेने की थी चर्चा, गंभीर से पहले लक्ष्मण को मिला था कोच बनने का प्रस्ताव

यूनिक समय, नई दिल्ली। वीवीएस लक्ष्मण ने उन अटकलों पर विराम लगा दिया है, जिनमें उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम का अगला चीफ सिलेक्टर बनाए जाने की चर्चा थी। लक्ष्मण ने स्पष्ट किया है कि वह बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की जिम्मेदारी जारी रखेंगे। इसके साथ ही अजीत अगरकर के स्थान पर उनके चीफ सिलेक्टर बनने की चर्चाओं पर भी फिलहाल विराम लग गया है। लक्ष्मण वर्ष 2024 से सीओई के प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें अपनी योजनाओं और विजन को लागू करने की पूरी स्वतंत्रता दी है। इसी वजह से उन्होंने सीओई में अपना कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। लक्ष्मण के मुताबिक, उनका लक्ष्य सीओई के ढांचे, प्रक्रियाओं और प्रोटोकॉल को पूरी तरह व्यवस्थित करना है। उन्होंने सभी विभागों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया भी साझा की है। वह चाहते हैं कि जिम्मेदारी छोड़ने से पहले संस्थान की व्यवस्था मजबूत हो जाए। हाल में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि बीसीसीआई की समीक्षा बैठक के बाद लक्ष्मण को राष्ट्रीय चयन समिति का प्रमुख बनाया जा सकता है। यह पद फिलहाल अजीत अगरकर के पास है। हालांकि लक्ष्मण ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने बोर्ड से चीफ सिलेक्टर या भारतीय टीम के मुख्य कोच का पद नहीं संभालने का वादा किया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में भी उनसे मुख्य चयनकर्ता पद को लेकर संपर्क किया गया था, लेकिन उन्होंने सीओई की जिम्मेदारी जारी रखने का फैसला किया।

लक्ष्मण ने यह भी खुलासा किया कि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद गौतम गंभीर से पहले उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच बनने का प्रस्ताव मिला था। हालांकि व्यक्तिगत कारणों के चलते उन्होंने यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। लक्ष्मण का फैसला स्पष्ट करता है कि फिलहाल वह सीओई की जिम्मेदारी पर ही ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। ऐसे में अजीत अगरकर के पद को लेकर बदलाव की अटकलों को भी झटका लगा है।

खतरों के खिलाड़ी पंद्रह में विशाल आदित्य सिंह शो से हुए बाहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। रोहित शेट्टी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' से पहला एलिमिनेशन हो गया है। अभिनेता विशाल आदित्य सिंह पहले ही सप्ताह में शो से बाहर हो गए। उनके एलिमिनेशन से फैंस निराश हैं, क्योंकि उन्हें मजबूत दावेदार माना जा रहा था। एलिमिनेशन से पहले विशाल, रुबीना दिलैक और रुहानिका धवन डेंजर जोन में पहुंचे। इससे पहले प्रतियोगियों को हाथों पर गर्म वैक्स जमा करने वाला चुनौतीपूर्ण स्टंट दिया गया। हर्ष गुजराल ने सबसे ज्यादा वैक्स जमा कर यह मुकाबला जीत लिया और सुरक्षित हो गए।

इसके बाद विशाल, रुबीना और रुहानिका के बीच एलिमिनेशन स्टंट कराया गया। तीनों को सांपों से भरे कांच के बॉक्स में रहकर तस्वीरों में दिखाए गए जीवों की पहचान करनी थी। विशाल तीन सांप पहचान पाए, जबकि रुहानिका ने चार और रुबीना ने पांच की सही पहचान की। रुबीना के बेहतर प्रदर्शन के साथ विशाल का शो में सफर खत्म हो गया।

कामयाबी के लिए अपनों की बदनामी जरूरी नहीं: गोविंदा

सुनीता ने पहले लगाए थे कई अफेयर्स के आरोप

गोविंदा के साथ फिल्म में नजर आएंगी कोमल रानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता गोविंदा ने पत्नी सुनीता आहूजा के उनके कथित अफेयर्स को लेकर दिए बयानों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि रिश्तों में दूरी बनाने के लिए किसी को बदनाम करना जरूरी नहीं है। गोविंदा ने यह भी सवाल उठाया कि क्या सफलता हासिल करने के लिए अपने ही लोगों की बुराई करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि सुनीता कई बार उनकी तारीफ करने के बाद कोई नकारात्मक बात कहती हैं, लेकिन उन्हें इसमें भी प्यार नजर आता है। गोविंदा के मुताबिक, जीवन में जिन लोगों ने साथ दिया, उनकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सुनीता आहूजा ने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान गोविंदा के पुराने कथित अफेयर्स का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि जवानी में हुई गलतियों को उन्होंने नजरअंदाज किया, लेकिन अब ऐसी बातें स्वीकार करना उनके लिए मुश्किल है। सुनीता ने अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकर का नाम लेते हुए भी नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने दावा किया था कि गोविंदा के साथ उनके संबंधों को लेकर अफवाहें सामने आती रही हैं।अफेयर की चर्चाओं के बीच गोविंदा अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकर के साथ सार्वजनिक रूप से नजर आए। गोविंदा अपने प्रोडक्शन की आगामी फिल्म से कोमल को बॉलीवुड में लॉन्च कर रहे हैं। वह फिल्म में उनकी भूमिका को लेकर पहले ही तारीफ कर चुके हैं। गोविंदा और सुनीता ने 1987 में शादी की थी। दोनों के दो बच्चे हैं। लंबे समय से निजी जीवन को लेकर चर्चा में रहने वाले इस दंपती के बीच हालिया बयानों ने एक बार फिर बॉलीवुड में रिश्तों और सार्वजनिक छवि को लेकर बहस छेड़ दी है।

पीएम मोदी ने खिलाड़ियों से सुने जीत के किस्से

मीराबाई के आंसुओं में मोदी को दिखा गोल्ड

नरेंद्र का पाकिस्तानी खिलाड़ी वाला किस्सा सुन हंसे खिलाड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने अपनी जीत, संघर्ष और मुकाबलों से जुड़े कई रोचक अनुभव साझा किए। बातचीत के दौरान कई भावुक और मजेदार पल भी सामने आए। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके जज्बे और मेहनत की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वर्ण पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू से बातचीत करते हुए उनके भावुक होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पोडियम पर चानू के आंखों से निकली हर बूंद उन्हें स्वर्ण पदक जैसी लगी। चानू ने बताया कि पेरिस ओलंपिक में पदक से चूकने के बाद चार साल उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे। इस दौरान चोट और पारिवारिक परेशानियों से जूझना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण जीतने और राष्ट्रगान के दौरान वह अपने आंसू नहीं रोक सकीं। चानू ने महिलाओं की 48 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में कुल 190 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। बॉक्सर नरेंद्र बेरवाल ने 2015 के विश्व सैन्य खेलों से जुड़ा मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि उनका मुकाबला पाकिस्तान के एक खिलाड़ी से हुआ था। मुकाबले के बाद दोनों इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे। वहां पाकिस्तानी खिलाड़ी ने मजाक में कहा कि नरेंद्र नाम से उसे अब नफरत हो गई है, क्योंकि भारतीय बॉक्सर का नाम नरेंद्र था, उनके कोच का नाम भी नरेंद्र था और प्रधानमंत्री का नाम भी नरेंद्र था। किस्सा सुनकर प्रधानमंत्री मोदी भी मुस्कुरा पड़े। बॉक्सर जादुमणि सिंह ने पाकिस्तान के खिलाफ जीत को कारगिल के वीरों को समर्पित किया। वहीं सीमा कालीरमन ने कहा कि अब वह दोस्तों को गर्व से बताएंगी कि उनकी प्रधानमंत्री से मुलाकात हुई है। लवलीना बोरगोहेन द्वारा विदेश में भारत के गलत नक्शे पर आपत्ति जताने के कदम की भी प्रधानमंत्री ने सराहना की। पैरा एथलीट दिलीप महादु गावित ने गुरु पूर्णिमा के दिन जीता अपना स्वर्ण पदक कोच को समर्पित किया। राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने कुल 39 पदक जीते, जिनमें 13 स्वर्ण शामिल रहे। मुक्केबाजी भारत का सबसे सफल खेल रहा, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने 10 पदक हासिल किए।

खलीफा में शम्मी थिलकन का दमदार लुक आया सामने

यूनिक समय, नई दिल्ली। पृथ्वीराज सुकुमारन की आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'खलीफा' लगातार चर्चा में है। मेकर्स ने फिल्म से दिग्गज अभिनेता शम्मी थिलकन का पहला लुक जारी किया है। पोस्टर में वह राघवन के किरदार में दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म का निर्देशन वैसाख कर रहे हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म में आमिर अली की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर शम्मी थिलकन का पोस्टर साझा करते हुए बताया कि यह फिल्म का चौथा किरदार पोस्टर है। 'खलीफा' 20 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में मोहिनी नूरजहां, कायरा वासुदेवन वैष्णवी और मास्टर नफश रशिन के किरदार में नजर आएंगे। हालांकि कहानी और पात्रों की भूमिका को अभी रहस्य रखा गया है। फिल्म की शूटिंग जून में पूरी हो चुकी है। इसके कुछ महत्वपूर्ण दृश्य दुबई में फिल्माए गए हैं।

यूपी के 762 निकायों में बकाया कर चुकाने का एक और मौका

बकायेदारों को भुगतान में तीन किस्तों की सुविधा

बढ़े राजस्व से शहरों में विकास कार्य होंगे तेज

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी 762 नगरीय निकायों में लंबे समय से लंबित संपत्ति कर की वसूली के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू करने का फैसला किया है। योजना 15 अगस्त से 15 दिसंबर 2026 तक चलेगी। इसके तहत बकायेदार करदाताओं को पुराने संपत्ति कर का भुगतान करने का आसान अवसर मिलेगा।

योजना का लाभ प्रदेश के 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतों के बकायेदारों को मिलेगा। इसमें गृहकर, जलकर और सीवरकर से जुड़े पुराने बकाये शामिल हैं। सरकार का उद्देश्य करदाताओं पर एक साथ पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करना और नगरीय निकायों की आय बढ़ाना है।

सरकार ने योजना के तहत बकाया राशि जमा करने के लिए अधिकतम तीन किस्तों की सुविधा दी है। योजना लागू होने के 30 दिन के भीतर करदाता को कुल बकाये की एक तिहाई राशि जमा करनी होगी। इसके बाद बची दो तिहाई रकम अगले दो महीनों में दो मासिक किस्तों के जरिए जमा की जा सकेगी। इस तरह बकाया कर का पूरा भुगतान अधिकतम तीन माह में करना अनिवार्य होगा। नगरीय निकायों को 15 अगस्त से 14 सितंबर के बीच योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और पात्र करदाताओं को इसकी जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि योजना से पुराने कर बकायों का निस्तारण होने के साथ निकायों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इससे सड़क, जल निकासी, पेयजल, स्वच्छता और प्रकाश जैसी सुविधाओं पर खर्च बढ़ाया जा सकेगा।

सरकार का मानना है कि योजना से करदाताओं को राहत मिलेगी और लंबे समय से चले आ रहे कर संबंधी विवादों में भी कमी आएगी। साथ ही निकाय अपनी आय के स्रोत मजबूत कर विकास कार्यों को अधिक गति दे सकेंगे।

थाने के शौचालय में पुजारी ने फांसी लगाकर जान दी

बच्ची से छेड़छाड़ के आरोप में पुलिस ने पकड़ा

परिजनों ने लगाया झूठे मुकदमे में फंसाने का आरोप

यूनिक समय, झांसी। गुरसराय थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह 62 वर्षीय पुजारी राजेंद्र प्रसाद ने थाने के शौचालय में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, उन्हें नौ वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ के आरोप में रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था। सोमवार सुबह करीब छह बजे पुलिसकर्मियों ने उन्हें शौचालय में फंदे से लटका देखा। तत्काल नीचे उतारकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान करीब 10:15 बजे उनकी मौत हो गई।

पुजारी के बेटे विनय ने आरोप लगाया कि गांव के कुछ लोग मंदिर से उनके परिवार को हटाना चाहते हैं। बच्ची को केवल डांटने की घटना को छेड़छाड़ का रूप देकर पिता को फंसाया गया। परिजनों ने थाने में हंगामा कर निष्पक्ष जांच की मांग की। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस और पीएसी तैनात की गई है।

एसएसपी बीबी जीटीएस मूर्ति ने कहा कि मामले की जांच एसपी ग्रामीण को सौंपी गई है। पुलिसकर्मियों की लापरवाही सामने आने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

खेलते-खेलते बच्चों ने कार लॉक की, मची अफरातफरी

पुलिस की मदद से सुरक्षित बाहर निकला मासूम

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ के खेरेश्वर चौराहे पर रविवार शाम उस समय अफरातफरी मच गई, जब कार में खेल रहे दो वर्षीय बच्चे ने अंदर से वाहन लॉक कर दिया। बच्चा कार के भीतर बंद हो गया, जबकि बाहर खड़े परिजन उसे निकालने के लिए परेशान हो उठे। पुलिस की मदद से मैकेनिक को बुलाकर कार का ताला खुलवाया गया। जानकारी के अनुसार, नोएडा निवासी परिवार के पांच लोग कार से इटावा से लौट रहे थे। खेरेश्वर चौराहे के पास उनकी नई कार में दूसरी कार से खरोंच लग गई। इसके बाद दोनों वाहन चालकों के बीच विवाद शुरू हो गया। परिवार के लोग नुकसान के बदले पांच हजार रुपये मांग रहे थे। इसी दौरान कार में बैठा बच्चा खेलते हुए अंदर से खिड़की और दरवाजे बंद कर बैठा। परिजनों ने बच्चे को इशारे से ताला खोलने के लिए समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सका। बच्चे के कार में बंद होने से परिवार घबरा गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने स्थिति संभालते हुए तत्काल कार खोलने के लिए मैकेनिक को बुलाया। मैकेनिक ने काफी प्रयास के बाद कार का ताला खोल दिया। इसके बाद बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात रही कि इस घटना में बच्चे को किसी तरह की चोट नहीं आई। घटना के दौरान चौराहे पर लोगों की भीड़ जुट गई और पूरा घटनाक्रम चर्चा का विषय बन गया।

यूपी में बारिश का कहर नदियां उफनीं, गांव डूबे

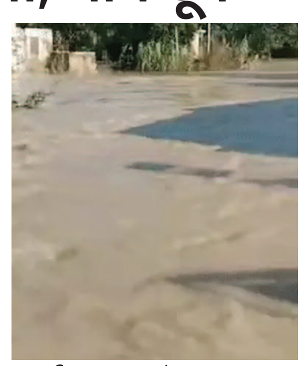

फर्रुखाबाद में घर उजड़े, परिवारों पर संकट गहराया

मौसम विभाग ने सभी जिलों में बारिश की संभावना जताई

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सोमवार को लगातार बारिश और पहाड़ों से आए पानी ने कई जिलों में हालात बिगाड़ दिए। सहारनपुर में गंगराव नदी और मां शाकंभरी देवी मंदिर के पास बरसाती नदी में अचानक सैलाब आ गया। तेज बहाव के कारण मिर्जापुर क्षेत्र में बना रपटा पुल क्षतिग्रस्त हो गया। दिल्ली-यमुनोत्री राजमार्ग पर भी पानी बहने लगा। सड़क और आसपास की बस्तियों में तीन से चार फीट तक पानी भर गया। फर्रुखाबाद और बिजनौर में गंगा नदी उफान पर है। कई सड़कों पर पानी बहने से करीब 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। कई गांवों का संपर्क टूट गया है। फर्रुखाबाद में कटान के कारण 21 मकान नदी में समा चुके हैं। खतरे वाले मकानों को लोग खुद तोड़कर ईंट और सरिया बचाने में जुटे हैं।

मकान टूटते देखकर महिलाओं की आंखों से आंसू छलक पड़े। लोगों का कहना है कि वर्षों की मेहनत से बनाया घर बाढ़ ने उजाड़ दिया। कई परिवार सड़क किनारे तंबू लगाकर रहने को मजबूर हैं। मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। ललितपुर और महोबा में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले तीन दिन दक्षिणी उत्तर प्रदेश में मानसून सक्रिय रह सकता है।

ताजमहल पर तेज रफ्तार बाइक ने पर्यटक को उड़ाया

तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आया बच्चा

सीसीटीवी में कैद हुआ हादसा, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

यूनिक समय,आगरा। ताजमहल के पूर्वी गेट के पास रविवार को तेज रफ्तार बाइक ने सड़क पर जा रहे एक परिवार को टक्कर मार दी। हादसे में एक बच्चे समेत युवक घायल हो गया। पूरी घटना पास की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

सीसीटीवी फुटेज में बाइक सवार तेज गति से आता दिखाई दे रहा है। उसने पहले सड़क पर चल रहे बच्चे को टक्कर मारी और इसके बाद आगे चल रहे युवक को भी चपेट में ले लिया। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर पड़े। युवक के साथ चल रहा छोटा बच्चा बाल-बाल बच गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घायलों को इलाज के लिए भेजा। बताया जा रहा है कि बाइक दूसरे जिले की थी। घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि ताजमहल के प्रतिबंधित वाहन क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक कैसे पहुंची। पर्यटकों ने प्रशासन से यातायात व्यवस्था और सुरक्षा इंतजाम और सख्त करने की मांग की है।

एयरगन से छात्र की मौत पांच दोस्तों पर मुकदमा दर्ज

पिता ने घात लगाकर गोली मारने का लगाया आरोप

पुलिस ने नामजद आरोपियों की उम्र जांचनी की शुरू

यूनिक समय, आगरा। पिनाहट के बसई अरेला गांव में एयरगन की गोली लगने से 16 वर्षीय इंटर छात्र मोहित प्रजापति की मौत के मामले में पांच दोस्तों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। मोहित शनिवार शाम ट्यूशन पढ़ने निर्माणाधीन मकान में गया था। इसी मकान में जंगली जानवरों से बचाव के लिए एयरगन रखी थीं। गोली लगने से मोहित गंभीर घायल हो गया था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक के पिता विनोद प्रजापति ने आरोप लगाया कि पांच युवकों ने मोहित को घेरकर पकड़ा और निशांत उर्फ रिपी ने उसे गोली मार दी। उनका कहना है कि घायल मोहित ने भी निशांत का नाम बताया था। पिता ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ समय पहले स्कूल में हुए विवाद के बाद बेटे को धमकी मिली थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पांच लोगों को नामजद किया है। डीसीपी ईस्ट अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि मामले की जांच चल रही है। नामजद आरोपियों की उम्र भी सत्यापित की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, घटना के कारणों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

बारिश में फिर धंसा एक्सप्रेस-वे,दो लेन हुई बंद

जलभराव से कई हिस्सों में यातायात प्रभावित

तकनीकी जांच के बाद रिपोर्ट का इंतजार

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर बारिश के बाद सड़क धंसने और जलभराव की समस्या ने निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रविवार को करीब दस स्थानों पर सड़क दबने की जानकारी सामने आई। कई जगह पानी निकासी की व्यवस्था भी प्रभावित रही। मरम्मत का काम एक स्थान पर पूरा होने से पहले ही दूसरे हिस्से में सड़क धंसने से वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है।

63 किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड एक्सप्रेसवे का लोकार्पण 13 जुलाई को हुआ था। निर्माण के दौरान अत्याधुनिक तकनीक के इस्तेमाल का दावा किया गया था, लेकिन पहली बारिश के बाद ही कई हिस्सों में सड़क खराब होने लगी।

असोहा क्षेत्र में कई किलोमीटर हिस्सों में बारिश का पानी जमा रहा। मेदपुर, कुदिकापुर और अचलगंज के पास भी सड़क दबने तथा जलनिकासी प्रभावित होने की स्थिति सामने आई। कुछ स्थानों पर नालियां टूटने से समस्या और बढ़ गई।

एक्सप्रेसवे की सुरक्षा के लिए लगी जालियां भी कई जगह टूट गई हैं। इससे आसपास से मवेशियों के एक्सप्रेसवे तक पहुंचने का खतरा बना हुआ है।

मरम्मत के चलते कांथा और बेगमखेड़ा के पास यातायात प्रभावित हुआ। कुछ समय के लिए दोनों लेन बंद कर वाहनों को दूसरी लेन से निकाला गया। इससे वाहन चालकों को धीमी गति से सफर करना पड़ा।

एक्सप्रेसवे की तकनीकी जांच के लिए आईआईटी खड़गपुर की टीम करीब 90 स्थानों से नमूने लेकर लौट चुकी है। अधिकारियों को जांच रिपोर्ट एक सप्ताह में मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट आने के बाद सड़क धंसने और जलनिकासी की समस्या के कारणों का पता चल सकेगा।

बृजभूषण ने फिर उठाए पहलवान आंदोलन पर सवाल

यूनिक समय, गोंडा। भाजपा नेता और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने सोमवार को अपने खिलाफ लगे आरोपों और पहलवान आंदोलन को लेकर फिर कई दावे किए। गोंडा स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कुश्ती संघ के चुनाव में दीपेंद्र हुड्डा को हराने के बाद उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश रची गई।

झारखंड विधानसभा मार्च में छात्रों पर लाठीचार्ज

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड की राजधानी रांची में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का आंदोलन सोमवार को उग्र हो गया। हजारों की संख्या में अभ्यर्थी विधानसभा घेराव के लिए पहुंचे और विधानसभा से करीब 100 मीटर दूर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग हटाकर आगे बढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए लाठीचार्ज किया।

स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने पानी की बौछार और आंसू गैस के गोले भी दागे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने भी पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया और पानी की बोतलें व चप्पलें फेंकीं। कई छात्र कंटीले तारों वाली बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। वाटर कैनन की बौछार के बीच कुछ प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पर डांस करते भी नजर आए।

विधानसभा के 100 मीटर पास पहुंचे

बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश, आंदोलन, आंसू गैस के गोले दागे

प्रदर्शन को देखते हुए झारखंड विधानसभा के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। परिसर के चारों ओर छह स्तर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। रास्तों पर कंटीले तार लगाए गए हैं और बड़ी संख्या में पुलिस एवं सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। सीसीटीवी कैमरों के जरिए पूरे इलाके पर निगरानी रखी जा रही है।

छात्र पिछले 17 दिनों से जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। उनकी प्रमुख मांग परीक्षा रद्द कर दोबारा कराने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की है।

इसी बीच सीआईडी ने झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांगते को गिरफ्तार कर लिया। जेपीएससी कार्यालय में तलाशी के बाद उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। सीआईडी उनसे पहले भी कई बार पूछताछ कर चुकी थी।

आंदोलन में छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो भी शामिल हुए। वह नौ दिन से भूख हड़ताल पर हैं और एंबुलेंस से विधानसभा मार्च में पहुंचे। छह छात्र भूख हड़ताल पर बताए गए हैं। वहीं, भाजपा विधायकों ने भी छात्रों के समर्थन में मुख्यमंत्री आवास के सामने धरना दिया, जिन्हें बाद में पुलिस ने वहां से हटा दिया।

जेपीएससी परीक्षा अनियमितता में पूर्व अध्यक्ष एल. खियांगते गिरफ्तार

इस्तीफे के बाद पूर्व अध्यक्ष पर कार्रवाई हुई तेज

अब तक हुई बीस गिरफ्तारियां, छात्रों का आंदोलन अभी भी जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच के बीच सीआईडी ने आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांगते को गिरफ्तार कर लिया। इससे परीक्षा विवाद में नया मोड़ ले लिया है। सीआईडी उनसे पहले भी कई बार पूछताछ कर चुकी थी। मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त होने के बाद खियांगते को फरवरी 2025 में जेपीएससी अध्यक्ष बनाया गया था। उन्होंने 22 जुलाई को इस्तीफा दे दिया था। सीआईडी जेपीएससी मुख्यालय और उनके सरकारी आवास समेत कई स्थानों पर तलाशी ले चुकी है। अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ के साथ दस्तावेज भी खंगाले गए हैं। खियांगते की गिरफ्तारी के बाद मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या 20 हो गई है।

अभ्यर्थी परीक्षा प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों का आरोप लगाकर परीक्षा रद्द करने और दोबारा कराने की मांग कर रहे हैं। छात्र पूरे मामले की स्वतंत्र जांच के लिए सीबीआई जांच की मांग पर भी अड़े हैं।

सीआईडी अब कथित अनियमितताओं में शामिल लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है। किन लोगों की भूमिका रही। पूर्व अध्यक्ष की गिरफ्तारी से जांच में आगे कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है।

जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज पर संसद में जवाब देंगे शाह

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद में जवाब देंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वह गृह मंत्री का जवाब बिना हंगामे के सुने और बहस से भागने का आरोप न लगाए।

हालांकि, शाह सदन में किस दिन और किस समय बयान देंगे, इसकी जानकारी अभी नहीं दी गई है। 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर विपक्ष लगातार गृह मंत्री के बयान की मांग कर रहा है।

सोमवार को विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर के बाहर प्रदर्शन कर गृह मंत्री से जवाब देने की मांग दोहराई। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने हाथ में ऐसा पोस्टर लिया, जिसमें शाह की लोकसभा में अनुपस्थिति की तारीखें दर्ज थीं। वहीं, सांसद रेणुका चौधरी अलग अंदाज में विरोध जताते हुए संसद पहुंचीं।

विपक्ष ने शाह के बयान को लेकर किया प्रदर्शन

मानसून सत्र में लगातार हंगामे से काम प्रभावित

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से जारी है और 13 अगस्त को समाप्त होना है। लगातार हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही कई बार स्थगित हुई है। अब तक एंटी-पेपर लीक विधेयक को छोड़कर अन्य मुद्दों पर व्यापक चर्चा नहीं हो सकी है। सोमवार को लोकसभा ने ट्रिब्यूनल्स सुधार विधेयक, 2026 को बिना चर्चा पारित किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित कर दी गई।

अभिषेक बनर्जी को विदेश जाने की सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

विदेश यात्रा से पहले देनी होगी पूरी जानकारी

हाईकोर्ट ने मेडिकल बोर्ड को लेकर रोका था

यूनिक समय, नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी को आंखों के इलाज के लिए तीन सप्ताह विदेश जाने की सुप्रीम कोर्ट ने अनुमति दे दी है। अदालत ने कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश में बदलाव किया, जिसमें उनकी विदेश यात्रा की मांग खारिज कर दी गई थी। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अभिषेक बनर्जी यात्रा के दौरान केवल राजनयिक पासपोर्ट का इस्तेमाल करेंगे। उन्हें विदेश रवाना होने से दो दिन पहले जांच एजेंसी को उड़ान और विदेश में ठहरने के पते समेत पूरी जानकारी देनी होगी। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने बताया कि आंखों के इलाज के लिए विदेश जाना जरूरी है। वहीं, सरकार की ओर से विदेश यात्रा का विरोध किया गया।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने पहले अभिषेक बनर्जी को मेडिकल बोर्ड के सामने जांच कराने को कहा था। अदालत का मानना था कि बोर्ड की रिपोर्ट से विदेश में इलाज की जरूरत स्पष्ट हो सकती है। मेडिकल बोर्ड के सामने पेश नहीं होने के आधार पर हाई कोर्ट ने पांच अगस्त को विदेश यात्रा की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अब उन्हें इलाज के लिए तीन सप्ताह विदेश जाने की अनुमति देकर बड़ी राहत दी है।

असम-अरुणाचल सीमा पर फायरिंग में आठ ग्रामीण घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर सोमवार सुबह कथित अतिक्रमण को लेकर विवाद के बाद गोलीबारी हो गई। मिंगमांग क्षेत्र में हुई फायरिंग में असम के आठ ग्रामीण घायल हो गए। इनमें सात की हालत गंभीर बताई गई है। घटना के बाद सीमावर्ती इलाके में तनाव बढ़ गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, असम की जमीन पर कथित कब्जे को लेकर दोनों पक्षों में पहले से विवाद चल रहा था। सोमवार सुबह ग्रामीणों के विरोध के बाद स्थिति बिगड़ गई और सीमा पार से आए लोगों ने कथित तौर पर गोलीबारी कर दी। घायलों को पहले गोगामुख ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से सात लोगों को धेमाजी सिविल अस्पताल रेफर किया गया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने घटना का संज्ञान लेते हुए प्रशासन को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक लगातार संपर्क में हैं। सीमा क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

अतिक्रमण विवाद के बाद अचानक गोलीबारी शुरू हुई

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए

पीएम मोदी से मिले एनसीपी शरद गुट के आठ सांसद

यूनिक समय, नई दिल्ली। एनसीपी (शरद पवार गुट) के सभी आठ सांसदों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सुप्रिया सुले के नेतृत्व में हुई यह बैठक करीब 15 से 20 मिनट चली। सांसदों ने महाराष्ट्र से जुड़े विकास और अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं प्रधानमंत्री के सामने रखीं।

बीड सांसद बजरंग सोनवणे ने उजनी बांध से बीड जिले को पानी उपलब्ध कराने की मांग रखी। शिरूर सांसद अमोल कोल्हे ने नासिक-पुणे रेलवे लाइन का मुद्दा उठाया। वहीं भिवंडी सांसद बालू मामा म्हात्रे ने नवी मुंबई हवाई अड्डे का नाम डीबी पाटिल के नाम पर रखने की मांग की। किसानों से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। बैठक के बाद परिसीमन विधेयक को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि शरद पवार गुट सरकार को समर्थन दे सकता है, हालांकि पार्टी ने ऐसी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सुप्रिया सुले ने मुलाकात को महाराष्ट्र के विकास से जुड़ा बताया और कहा कि उनकी पार्टी एफसीआरए विधेयक का विरोध करेगी।

सांसदों ने महाराष्ट्र से जुड़े कई मुद्दे उठाए

नीट पेपर लीक केस में फिर टली सुनवाई, हिरासत बढ़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित फास्ट ट्रैक कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। अदालत ने चार्जशीट पर संज्ञान लेने का फैसला फिलहाल टाल दिया है। अब मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी। आरोपियों की न्यायिक हिरासत भी दो दिन बढ़ाकर 12 अगस्त तक कर दी गई है।

अदालत ने मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल की पॉलीग्राफ, ब्रेन मैपिंग और लाइ डिटेक्टर टेस्ट कराने संबंधी याचिका खारिज कर दी। आरोपियों से आगे की पूछताछ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की जाएगी।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालत में चल रही है। इससे पहले भी सुनवाई टल चुकी है। मामले को लेकर छात्रों ने विरोध-प्रदर्शन किया था। वहीं, झारखंड में भी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन जारी है।

दिल्ली एनसीआर में झमाझम बारिश से मिली राहत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार दोपहर मानसून ने एक बार फिर जोर पकड़ा। दिल्ली के कई इलाकों के साथ नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में तेज बारिश हुई। अचानक बदले मौसम से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। आसमान में काले बादल छाने के बाद हुई बारिश से मौसम सुहावना हो गया।

मानसून सक्रिय होने के कारण कई इलाकों में बारिश का पानी सड़कों पर जमा हो गया। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नोएडा में तेज बारिश के दौरान कई बाइक सवार ओवरब्रिज के नीचे रुककर बारिश से बचते नजर आए। पिछले कुछ दिनों से लगातार रुक-रुककर बारिश हो रही है। बारिश के कारण तापमान में गिरावट महसूस की गई और मौसम खुशनुमा हो गया। हालांकि, कई स्थानों पर जलभराव और यातायात की समस्या ने लोगों की परेशानी बढ़ाई। मौसम में बदलाव से जहां गर्मी से राहत मिली, वहीं लगातार बारिश ने जलनिकासी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। दिल्ली-एनसीआर में मानसून की सक्रियता के कारण आने वाले दिनों में भी बारिश का दौर जारी रहने की उम्मीद है।

बारिश से सड़कों पर जलभराव यातायात प्रभावित हुआ

तिरंगा यात्रा से देशभक्ति में डूबा जनपद, गूंजने लगे नारे

तिरंगा रैली निकालते उ.प्र. ग्रामीण सफाई कर्मचारी संगठन के पदाधिकारी और अन्य।

तिरंगा यात्रा में शामिल आईएएस सलोनी गौतम आदि।

तिरंगा रंग की बिजली झालरों से झिलमिलाता लक्ष्मीनगर तिराहा।

यूनिक समय, मथुरा। आजादी के महोत्सव को लेकर जिले में उत्साह दिखाई देने लगा है। तिरंगा यात्राओं के आयोजन से वातावरण महकने लगा है। वीर और बलिदानियों के सम्मान में नारे गूंज रहे हैं।

सोमवार को सीडीओ पूजा गुप्ता, डीपीआरओ धनंजय जायसवाल की अगुआई में हर घर तिरंगा यात्रा की रैली निकाली गई। मथुरा स्थित ईगल ग्राउंड से लेकर राजीव भवन तक निकाली गई बाइक रैली में भारत माता की जय और वंदेमातरम की गूंज सुनाई दी। उत्तर प्रदेश ग्रामीण सफाई कर्मचारी संगठन के बैनर तले निकाली गई यात्रा में प्रदेश उपाध्यक्ष जगत चौधरी जिला महामंत्री, जिलाध्यक्ष सत्य प्रकाश, जिला कोषाध्यक्ष हरि नारायण,जिला मीडिया प्रभारी जगवीर चौधरी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिंदेश, धर्मेंद्र जाटव जिला उपाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष फरह महेश कर्दम, ब्लॉक अध्यक्ष मथुरा बलजीत, ब्लॉक अध्यक्ष छाता तोताराम, राजेश आदि मौजूद रहे।

वहीं, चौमुहां में ब्लॉक परिसर से तिरंगा बाइक यात्रा का आयोजन किया गया। देशभक्ति के गीतों और 'भारत माता की जय' के गगनभेदी नारों के बीच आईएएस सलोनी गौतम ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया। तिरंगा यात्रा चौमुहां क्षेत्र के चौराहों और मुख्य मार्गों से होकर गुजरी, जहां स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर यात्रियों का स्वागत किया। एडीओ पंचायत नवेश कुमार सुमन ने कहा कि पंचायती राज विभाग ग्रामीण अंचलों में राष्ट्रीय गौरव की भावना को घर-घर तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीडीपीओ सुमन ने महिला और बाल सशक्तिकरण पर जोर दया। इस अवसर पर एडीओ आइएसबी राकेश कर्दम,पंचायत सचिव सगीर अहमद,योगेश शर्मा, दिलीप शर्मा, ब्रजेश चौधरी, हरिपाल सिंह,गोपाल प्रसाद, राजेश कुमार, नेत्रपाल सिंह, नीरज सिंह, रविन्द्र कुमार वशिष्ठ, वीरेश शर्मा, रिंकु सिंह सहित गणमान्य नागरिक और ग्रामीण मौजूद रहे।

15 को अजीजपुर में होगी दौड़ प्रतियोगिता

यूनिक समय, कोसीकलां। स्वतंत्रता दिवस पर नई दिशा फ्यूचर फाउंडेशन और खेल कमेटी डब्ल्यूसी के तत्वाधान में ग्राम पंचायत अजीजपुर में 15 अगस्त को दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता में 100 मीटर, 400 मीटर और 800 मीटर की दौड़ कराई जाएगी। खेल कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। क्षेत्र के युवाओं में प्रतियोगिता को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भाग लेने के लिए नामांकन करा रहे हैं। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे 15 अगस्त को अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएं।

शिशु वाटिका के नन्हे भक्तों ने निकाली कावड़ यात्रा, जयकारों से गूंजा तरौली

कांवड़ यात्रा के दौरान मौजूद शिक्षिकाएं और विद्यार्थी।

यूनिक समय, तरौली। सावन के दूसरे सोमवार को सेठ चंदामल सरस्वती शिशु मंदिर तरौली की शिशु वाटिका की ओर से भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। नन्हे-मुन्ने भैया-बहनों की भक्ति और उत्साह ने पूरे विद्यालय परिसर को शिवमय कर दिया।

कावड़ यात्रा का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक राधारमन सिंह और प्रधानाचार्या बबीता शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। दोनों ने कावड़ यात्रियों के साथ-साथ भगवान शिव और माता पार्वती के स्वरूप में सजे नन्हे बालकों पर पुष्प वर्षा कर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

घोष दल की मधुर धुनों पर कदम से कदम मिलाते हुए नन्हे कावड़िए बोल बम, हर हर महादेव के जयघोष करते हुए पूरे जोश और भक्ति भाव के साथ शिव मंदिर की ओर प्रस्थान हुए। मार्ग भर में भक्तिभाव और अनुशासन का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। शिव मंदिर पहुंचकर सभी बालकों ने विधिपूर्वक जलाभिषेक कर भगवान शिव का पूजन किया।

इस धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने में आचार्याओं का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर आचार्य हरि सिंह वर्मा, आचार्या आशा सिंह, शैली, वर्षा, सुमन, डौली, रुचि सिंह, रुचिका सहित सभी आचार्या उपस्थित रहीं। शिशु वाटिका के इस आयोजन ने बच्चों में संस्कार, अनुशासन और सनातन परंपराओं के प्रति प्रेम का भाव जागृत किया।

शेरगढ़ विद्युत केंद्र की जर्जर बिल्डिंग

विद्युत केंद्र की जर्जर बिल्डिंग।

यूनिक समय, शेरगढ़। कस्बा स्थित विद्युत केंद्र की बिल्डिंग जर्जर अवस्था में पहुंच गई है। भवन की छत भी लंबे समय से मरम्मत का इंतजार कर रही है, जिससे विद्युत केंद्र में कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्युत केंद्र की बिल्डिंग की स्थिति पर समय रहते ध्यान दिया जाना जरूरी है। भवन की छत और अन्य जर्जर हिस्सों

छत कर रही है अब मरम्मत का इंतजार

की मरम्मत नहीं होने से किसी समय भी परेशानी खड़ी हो सकती है। क्षेत्रवासियों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से विद्युत केंद्र की बिल्डिंग का निरीक्षण कराकर आवश्यक मरम्मत कार्य कराने की मांग की है, ताकि कर्मचारियों और विद्युत केंद्र में आने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

किसान सभा ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

एसडीएम अखिलेश कुमार को ज्ञापन देते किसान सभा के पदाधिकारी।

यूनिक समय, छाता। उत्तर प्रदेश किसान सभा के तत्वावधान में तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया। किसान सभा के प्रतिनिधियों ने एसडीएम अखिलेश को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। किसानों ने आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा, बिजली बिलों में राहत, सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी, और कृषि उत्पादों के उचित मूल्य , बंद पड़ी छाता शुगर मिल को चालू करो, कर्ज माफी करो जैसी मुख्य समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग

जेल चलो सत्याग्रह का बिगुल फूंका

उठाई। किसान नेता छीतर सिंह ने कहा कि यदि प्रशासन और सरकार ने उनकी जायज मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया, तो किसान सभा पूरे जनपद में 'जेल चलो सत्याग्रह आंदोलन' चलाएगी। एसडीएम ने कहा कि ज्ञापन को संबंधित उच्च अधिकारियों तक पहुंचाकर उचित समाधान का प्रयास किया जाएगा।

छाता शुगर मिल पर धरना जारी

धरना पर बैठे दीपक शर्मा को समर्थन देते किसान सभा के नेता छीतर सिंह।

यूनिक समय,छाता। छाता शुगर मिल को पुनः चालू कराने और व्यवस्था की स्थिति स्पष्ट करने की मांग को लेकर दीपक शर्मा मिल गेट में लगातार डटे हुए हैं। उन्होंने प्रशासन से सीधा सवाल किया कि आखिर चीनी मिल की चाबी किसके पास है, मिल का संचालन शुरू करने में देरी क्यों हो रही है।

आंदोलन को उस समय और मजबूती मिली जब किसान नेता

किसान नेता ने दीपक शर्मा को दिया समर्थन

छीतर सिंह अपने समर्थकों के साथ धरना स्थल पर पहुंचे और दीपक शर्मा की मांगों का समर्थन किया। किसान नेताओं ने ऐलान किया कि जब तक ठोस लिखित आश्वासन नहीं मिलता, तब तक हम भी शुगर मिल से धरना खत्म नहीं करेंगे।

पालिका का दावा खोखला गुरुषगंज में फिर हुआ अतिक्रमण

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर पालिका प्रशासन का गुरुषगंज मोहल्ले को अतिक्रमण मुक्त कराने का दावा खोखला साबित होता नजर आया।

कुछ दिन पूर्व एसडीम और नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मनोज कुमार के नेतृत्व में गुरुषगंज क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया था। कार्रवाई के दौरान लेखाधिकारी योगेंद्र शर्मा, कोसीकलां थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह, पुलिस बल मौजूद रहा। अधिकारियों ने अभियान लगातार जारी रखने और अगले दिन नाप-तोल के बाद फिर कार्रवाई करने की बात कही थी। इसके बाद गुरुषगंज में न तो बुलडोजर पहुंचा और न ही नगर पालिका की टीम दिखाई दी। जिन दुकानदारों का सामान जब्त किया गया था अथवा जिन्हें नोटिस दिए गए थे, उन्होंने अब फिर से सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की कार्रवाई

चेतावनी भी हो गई हवा-हवाई, लोग हो रहे हैं अब परेशान

केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। उनका आरोप है कि एक दिन अतिक्रमण हटाकर अभियान का प्रचार किया जाता है, लेकिन उसके बाद निगरानी के अभाव में स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। लोगों का कहना है कि वर्षों से अतिक्रमण के कारण बाजार में जाम की समस्या बनी रहती है और राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ती है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से नियमित अभियान चलाकर स्थायी समाधान करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि लगातार निगरानी नहीं हुई तो अतिक्रमणकारियों और भू-माफियाओं के हौसले और बढ़ेंगे। इस संबंध में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

पालिका चला रही अभियान, फिर भी सड़क पर बेसहारा पशुओं का घमासान

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर बेसहारा पशुओं की शरणस्थली बन चुका है। सड़क में बीचों-बीच बैठे पशुओं के चलते हादसे की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा नगर की गलियों में भी पशुओं की भरमार हो गई है। नगर में बेसहारा पशुओं की यह स्थिति तब है, जबकि पालिका की ओर से हर रोज इन्हें पकड़ने का दावा किया जाता है। इसके इतर कई बार सड़क पर बैठे पशु अक्सर रात में बड़े वाहनों की चपेट में आकर घायल हो जाते है।

सड़क पर घूम रहे बेसहारा पशुओं के सरंक्षण के लिए मुख्यमंत्री काफी सख्त है। इसके बावजूद सड़क पर पशुओं की संख्या में कमी नहीं हो रही है। सबसे अधिक खराब स्थिति नगर पालिका क्षेत्र की है। नगर के शेखान चौराहे पर 10 से 12 पशु सड़क पर घूमते रहते है। सबसे खतरनाक स्थिति तो पुराने जीटी रोड की है। सब्जी मंडी में पर्याप्त भोजन मिलने के कारण यहां बेसहारा पशुओं की सबसे अधिक संख्या मौजूद रहती है। कई बार पशु आपस में लड़ जाते है, जिससे बाजार में भगदड़ की स्थिति भी बन जाती है।

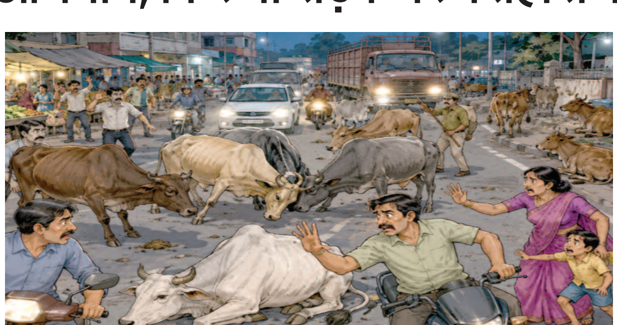
कोसीकलां के भगवती रोड होली गेट के पास कूड़े के ढेर में बैठे बेसहारा पशु।

भगवती रोड पर 8 से 10 पशु विचरण करते मिल जाएंगे। जीटी रोड पर पशुओं के बैठे रहने के कारण कई बार हादसे की आशंका बनी रहती है। सबसे अधिक खतरनाक स्थिति रात में होती है। अंधेरे में सड़क पर बैठे पशु कई बार दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वहीं बड़े वाहनों की चपेट में आने के कारण पशु भी घायल हो जाते है। पशुओं की बढ़ती संख्या के बावजूद पालिका की ओर से हर रोज बेसहारा पशुओं को पकड़ने का दावा किया जाता है। हाल में पशुओं की लड़ाई में सब्जी मंडी में कई महिला-पुरुष घायल हो गए हैं।